चैत्र कृष्ण पक्ष- 8, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 244 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
11 मार्च 2026 बुधवार

आज का मौसम
36.8 अधिकतम
14.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ईरान बनाम अमेरिका- इजराइल युद्ध के छिपे विजेता आखिर कौन हैं?

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले और इसके बाद खाड़ी के तेल उत्पादक, अमेरिकी सैन्य ठिकाने वाले देशों पर हमले ने पूरी दुनिया को थर्राया है। मिसाइल - ड्रोन हमले और सैन्य तैनाती का यह सिलसिला कब तक चलेगा इसके बारे में जंग में शरीक कोई भी देश बताने को तैयार नहीं हैं। ट्रम्प आगे बढने और पीछे हटने को लेकर शंकित हैं। उनके लिए आगे कुआं और पीछे खाई जैसे हालात बन चुके हैं। युद्ध के शोर और कूटनीतिक बयानबाजी के पीछे एक गहरी भू-राजनीतिक और आर्थिक सच्चाई भी छिपी होती है। अधिकांश युद्ध में हारने और जीतने वालों के बीच कुछ अप्रत्याशित विजेता भी उभरते हैं, जो युद्ध में सीधे शरीक नहीं होते हैं। इन छिपे विजेताओं में कुछ ऐसे होते हैं जो युद्ध के लंबा खिचने पर ऊर्जा बाजार, रणनीतिक प्रभाव और जंग में शरीक देशों के रक्षा खर्च में वृद्धि से मुनाफा कमाते हैं।

लाभार्थियों में जंग के मुखिया भी हो सकते हैं लेकिन यह भी कड़वा सच है कि अभी तक मिडिल ईस्ट में होने वाले युद्ध में कुछ हासिल नहीं हुआ बल्कि गवांना ज्यादा पड़ रहा है। बेशक उसकी अर्थव्यवस्था के कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जो भू-राजनीतिक अस्थिरता के समय फलते-फूलते भी हैं। अमेरिकी रक्षा कंपनियाँ जैसे लाकहीड मार्टिन ,रेथिआयन टेक्नालॉजी, और नार्थरोप ग्रूममान को बड़े पैमाने पर हथियारों के नए ऑर्डर मिलते हैं। बीते दशक की बात करें तो ऊर्जा बाजार में अमेरिका दुनिया के प्रमुख तेल और एलएनजी निर्यातकों में शामिल हो चुका है। मध्य-पूर्व में किसी भी प्रकार का तनाव या आपूर्ति का खतरा वैश्विक तेल कीमतों को ऊपर धकेल देता है। तेल और गैस की ऊँची कीमतें अमेरिकी ऊर्जा कंपनियों के लिए अधिक राजस्व और मुनाफा लेकर आती हैं। विशेषकर, यूरोप और एशिया को होने वाले तरल पेट्रोलियम गैस के निर्यात में।

इसके विपरीत जो देश इस अस्थिरता से अप्रत्यक्ष लाभ उठा सकते हैं उसमें रूस और चीन सबसे ऊपर हैं। रूसी अर्थव्यवस्था काफी हद तक ऊर्जा निर्यात पर निर्भर है। इतिहास गवाह है कि मध्य-पूर्व में जब भी संकट के बादल मंडराते हैं, कच्चे तेल की कीमतें आसमान छूने लगती है। हाल की जंग से रूस की तेल से आमदनी बढ़ी है। पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण पड़े आर्थिक दबाव को भी उसने काफी हद तक संतुलित किया है। अमेरिका का रणनीतिक ध्यान मध्य-पूर्व की ओर है तो रूस को यूक्रेन की कमर तोडने का खुला मौका भी मिला है। चीन भी बढ़ते तनाव के बीच दक्षिणी प्रशांत महासागर में अपनी विस्तारवादी नीति को अंजाम दे रहा है। प्रतिबंधों के बावजूद ईरान और रूस जैसे देशों से चीन रियायती दरों पर तेल खरीदता रहा है। इससे उसे अपेक्षाकृत सस्ती ऊर्जा मिली जो उसकी औद्योगिक वृद्धि को सहारा दे रही है। इनके अलावा सऊदी अरब कच्चे तेल और कतर तरल पेट्रोलियम गैस से संपन्न होने के चलते जंग थमने के हालात में मोटा मुनाफा कमाएंगे। इतिहास तो यही कहता है कि सैन्य संघर्ष केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहते। उनके प्रभाव वैश्विक बाजार और राजनीतिक संतुलन भी बदलते हैं। कड़वी जरूर है, पर हकीकत यही है कि युद्ध में पूर्ण विजय बहुत कम होती है। पर विनाश की छाया में भी कुछ शक्तियां लाभ और प्रभाव के नए मौके तलाश लेती हैं।

जंग में शरीक देशों में किसको कितनी चपत ?

बीते 11 दिनों में ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमलों से दोनों हमलावर देशों के सरकारी खजाने पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। अलग-अलग थिंक-टैंक और मीडिया रिपोर्ट्स के अनुमान और अमेरिकी रक्षा अधिकारियों के मुताबिक पहले 7 दिनों में ही अमेरिका के छह अरब डॉलर यानि तकरीबन पचास हजार करोड़ खर्च हो चुके हैं। इसमें से करीब 4 अरब डॉलर केवल मिसाइल और इंटरसेप्टर यानि ईरानी मिसाइल हमलों को रोकने पर पर खर्च हुए। औसतन खर्च की बात करें तो अमेरिका का प्रतिदिन युद्ध का खर्च लगभग 850 से 900 मिलियन डॉलर आँका गया है। कुछ आकलनों के अनुसार 11 दिनों में अमेरिकी सैन्य खर्च लगभग 11 अरब डॉलर से ज्यादा हो चुका है। यानि 90 हजार करोड़ रूपए से ज्यादा। इजराइल के खर्च का आंकड़ा आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक नहीं हुआ है। लेकिन सैन्य विश्लेषकों की माने तो इजराइल की एयर-डिफेंस प्रणाली (आयरन डोम, डेविड्स स्लिंग और ऐरो) से हर मिसाईल अटैक को रोकने पर हजारों से लेकर लाखों डॉलर तक खर्च होता है। कई विश्लेषकों का अनुमान है कि इजराइल का प्रत्यक्ष सैन्य खर्च 2 से 3 अरब डॉलर या उससे अधिक तक पहुँच सकता है। यदि संघर्ष जारी रहता है तो यह और तेजी से बढ़ेगा। अगर ईरान की बात करें तो उसके हथियारों की लागत अमेरिका और इजरायल के मुकाबले एक चौथाई से भी कम है, जबकि उन्हें नष्ट करने में दोनों हमलावर देशों को उससे कई गुना ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है।

न्यूज विंडो

बस-कार की टक्कर में तीन लोगों की मौत, दो घायल

शाहजहांपुर। बीसलपुर बेबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओवरटेक के दौरान रांग साइड में चल रही बरेली डिपो की बस ने सुबह अर्टिगा कार में टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार लखीमपुर निवासी अरुण, संजय व ऋषभ की मृत्यु हो गई। जबकि दो अन्य घायल हो गए। अरुण को फर्रुखाबाद में कार खरीदनी थी। सुबह वह अपने मित्र ऋषभ, गौरव, अनिल के साथ सुबह निकले थे। कार संजय चला रहे थे। अल्हागंज में हाईवे पर सुगसुगी पुलिया के पास करीब साढ़े सात बजे फर्रुखाबाद की ओर से गलत दिशा में आई बरेली डिपो की बस ने कार में टक्कर मार दी। दोनों वाहन सड़क से नीचे उतर गए।

106 नक्सलियों का सरेंडर 3.95 करोड़ का था इनाम

रायपुर। भारत में नक्सलवाद को खत्म करने की कोशिश में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में कुल 106 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन सभी पर कुल 3.95 करोड़ रुपए का इनाम था। इन सभी नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में सक्रिय थे। बीजापुर के 37, नारायणपुर के 4, बस्तर के 16, कांकेर से 3 और सुकमा से 18, दंतेवाड़ा से 30 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन सभी के सिर पर कुल 4 करोड़ रुपए का इनाम था और ये नक्सली अलग-अलग रैंक पर तैनात थे।

छात्र की मौत : यूनिवर्सिटी देगी 20 लाख मुआवजा

रांची। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जवल भुइयां की अदालत ने बीआईटी मेसरा को संस्थान के छात्र राजा पासवान के स्वजनों को दो सप्ताह में 20 लाख रुपये का मुआवजा प्रदान करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 23 मार्च को होगी। झारखंड हाई कोर्ट ने प्रबंधन को छात्र के स्वजनों को 20 लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया था, इसके खिलाफ संस्थान ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान मेसरा की ओर से कहा गया कि यदि उसे कुछ समय प्रदान किया जाए तो वह मुआवजे का भुगतान कर सकता है।

आज का कार्टून

खौफनाक इरादे... होर्मुज स्ट्रेट को 'डेथ वैली' बनाने की कोशिश में ईरान

समुद्र में बिछाई जा रही माइंस, अमेरिका ने तबाह कर दिए 16 ईरानी जहाज

वाशिंगटन/तेहरान. एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच जंग थमने के आसार नहीं नजर आ रहे हैं। अमेरिका और इजरायल की ईरान पर भीषण बमबारी जारी है वहीं इस बीच पता चला है कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री माइन बिछाना शुरू कर दिया है। यह सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय एनर्जी चोकपॉइंट है, जहां से दुनिया के कुल कच्चे तेल का लगभग पांचवां हिस्सा निकलता है। सीएनएन ने ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि अभी माइनिंग की शुरुआत हुई है और यह ज्यादा नहीं हुई है। हाल के दिनों में कुछ दर्जन माइन बिछाई गई हैं। एक सूत्र ने कहा कि ईरान के पास अभी भी 80 से 90 फ़ीसदी तक छोटी नावें माइन लेयर्स हैं, जिससे IRGC समुद्र में सैकड़ों माइन बिछा सकती है। इस बीच अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट में माइंस बिछा रहे ईरानी माइन लेयर्स जहाजों पर हमले शुरू कर दिए हैं।

अमेरिका ने 16 माइनलेयर्स को उड़ाया: मिडिल ईस्ट में ऑपरेशन चलाने वाली अमेरिका की सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा है कि अमेरिकी सेना ने मंगलार को होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरान के 16 माइन बिछाने वाले जहाजों को खत्म कर दिया। इसके पहले ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा था कि होर्मुज स्ट्रेट में बिछाई गई समुद्री माइंस को तुरंत हटा दिया जाना चाहिए। सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर

कुछ हमलों का वीडियो भी पोस्ट किया है। ट्रंप के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एक पोस्ट में ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रपति के कहने पर अमेरिकी सेंट्रल कमांड होर्मुज स्ट्रेट में इनएक्टिव माइन बिछाने वाले जहाजों को खत्म कर रही है। हम आतंकवादियों को होर्मुज स्ट्रेट को बंधक बनाने की इजाजत नहीं देंगे।

होर्मुज स्ट्रेट है अहम: युद्ध शुरू होने से पहले इस संकरे रास्ते से दुनिया के कुल कच्चे तेल उत्पादन का 20 फीसदी यहां से गुजरता था। इसके पहले ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने चेतावनी दी थी कि स्ट्रेट से गुजरने वाले किसी भी जहाज पर हमला किया जाएगा। युद्ध शुरू होने के बाद यह अब मौत की घाटी बन चुका है।

बंदरगाहों पर फंसे जहाजों को भारत सरकार ने दी राहत

युद्ध की वजह से अलग-अलग भारतीय बंदरगाहों पर फंसे जहाजों को राहत देने के लिए शिपिंग मंत्रालय ने बंदरगाहों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि समुद्री यातायात ठप होने की वजह से इन भारतीय मालवाहकों का नुकसान बढ़ता जा रहा है। ऐसे में शिप ऑपरेटरों की ओर से जो रियायतों के अनुरोध आए हैं, उनपर उचित तरीके से विचार करके उन्हें राहत दें। सरकार के इस दखल पश्चिम एशिया की ओर जाने के इंतजार में बैठे ऐसे जहाजों को शुल्क में बड़ी राहत मिल रही है। इन रियायतों में रीफर प्लगिंग फीस और रियायती स्टोरेज रेंट शामिल हैं। रीफर प्लगिंग फीस जहाजों पर मौजूदा रेफ्रिजरेटेड कंटनरों को बिजली सप्लाई देने के बदले लिया जाता है।सरकार के इस फैसले से खाड़ी की ओर रवाना हुए इन जहाजों को उन भारतीय बंदरगाहों पर भी डॉक करने की छूट मिली है, जहां से उन्होंने यात्रा नहीं शुरू की थी। शिपिंग मिनिस्ट्री ने कहा है कि भारतीय बंदरगाहों पर 11 जहाज फारस की खाड़ी जाने के लिए खड़े हैं और इनके अलावा भी इन इलाकों में 35 और भारतीय जहाज रूके हुए हैं।

रेगिस्तानी इलाकों से आ रही हवाएं

इस महीने 40° तक जा सकता है पारा

भोपाल, एजेंसी

अप्रैल जैसी गर्मी का एहसास

प्रदेश में मार्च के दूसरे हफ्ते से ही गर्मी के तेवर तीखे हो गए हैं। इस वजह से ग्वालियर-चंबल में तापमान सामान्य से 6 डिग्री के ज्यादा हो गया है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में भी गर्मी बढ़ी है। मौसम विभाग के अनुसार 15 मार्च के बाद गर्मी का असर और भी बढ़ जाएगा। मंगलवार को धार में पारा सबसे ज्यादा 39 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इसके बाद सागर में 38.9, रतलाम में 38.8 , नर्मदापुरम में 38.8, और खजुराहो 38.3 डिग्री दर्ज किया गया। बाकी शहरों में भी पारा 34 डिग्री या इससे अधिक ही रहा। भोपाल का अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इसी महीने का अंत तक 40 डिग्री तक पहुंच सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में हवा की दिशा उत्तर-पूर्व से अब पश्चिम और उत्तर-पश्चिम हो गई है। वहीं, हवा में नमी बहुत कम है। ये हवाएं रेगिस्तानी इलाकों से यहां पहुंचती है जो अपने साथ गर्मी भी लाती है। डॉक्टरों का कहना है कि मार्च का यही मौसम सबसे ज्यादा बीमारियां फैलाता है। दरअसल, इस महीने दिन में तो गर्मी बढ़ जाती है, लेकिन रात और सुबह हल्की ठंड रहती है। कई बार लोग दिन की गर्मी से बचने के लिए हल्के कपड़े पहन लेते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला: 13 साल से कोमा में पड़े हरीश राणा को दी इच्छामृत्यु की इजाजत

नईदिल्ली. एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने भारत में पहली बार पैसिव यूथेनेशिया को मंजूरी दी है। यह फैसला पिछले 13 साल कोमा में रह रहे एक शख्स के लिए आया है। 32 साल के हरीश राणा की जिंदगी सिर्फ मशीनों और ट्यूबों के सहारे चल रही थी, लेकिन अब कोर्ट ने उनके पिता की गुहार पर लाइफ सपोर्ट सिस्टम हटाने की इजाजत दे दी। यह फैसला 2018 के कॉमन कॉज जजमेंट पर आधारित है, जिसमें 'गरिमा के साथ मरने का मौलिक अधिकार' को मान्यता दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि यह पहला मौका है जब इन दिशानिर्देशों को असल में लागू किया गया है।

हरीश की दर्दनाक कहानी: हरीश राणा कभी एक तेज-तर्रार, पढ़ाई-लिखाई में अच्छा युवक था। 2013 में चंडीगढ़ में अपनी पेइंग गेस्ट

हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरने के बाद उसकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई। गंभीर ब्रेन इंजरी के कारण वह परमानेंट वेजिटेटिव स्टेट में चला गया। उसकी बॉडी 100 फीसदी क्वाड्रिप्लेजिक हो गई। पिछले 13 सालों में उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। वह बिस्तर पर पड़ा रहा, ट्रेकियोस्टॉमी ट्यूब से सांस लेता रहा और पेट में लगे पीईजी ट्यूब से क्लिनिकली एडमिनिस्टर्ड न्यूट्रिशन के जरिए पोषण मिलता रहा।

एयरफोर्स के विंग कमांडर ने फांसी लगाकर दी जान

रायपुर. एजेंसी

रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र में एयरफोर्स के एक 39 वर्षीय विंग कमांडर विपुल यादव ने आत्महत्या कर ली। उनकी पत्नी बेंगलुरु में जॉब करती है। दो बच्चे पिता के साथ रायपुर में रहते थे। पति-पत्नी के बीच आए दिन विवाद होता था। पत्नी के साथ उनके पारिवारिक विवाद चल रहा था। 2014 में उन्होंने लव मैरिज की थी। पत्नी अर्जिता श्रीवास्तव भी एयरफोर्स में थी अधिकारी थीं। इस्तीफा देकर वो आईटी सेक्टर कंपनी में काम कर रही थी।

जंग पर चर्चा के लिए लोकसभा में हंगामा, आज बोलेंगे अमित शाह

नईदिल्ली. एजेंसी

लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही आज प्रश्नकाल में ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। 'नरेंदर-सरेंडर' के नारे लगाए। विपक्ष ने अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का भारत पर असर और गैस-पेट्रोल के मुद्दे पर चर्चा की मांग की। विपक्ष के लगातार हंगामे के चलते सदन दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित किया गया। सदन का कार्यवाही दोबारा शुरू हो गई है। आज भी स्पीकर ओम बिरला को हटाने के लिए विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की जानी है। इस पर चर्चा के लिए कल 10 घंटे का समय तय

हुआ था। जिसमें मंगलवार को करीब 7 घंटे तक बहस हो चुकी है। आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन को संबोधित करेंगे। मंगलवार को सत्र के दूसरे दिन विपक्षी सांसद ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात का आरोप लगाते हुए अविश्वास प्रस्ताव लाए थे।

मेट्रो एंकर गुजरात के ग्रामीण इलाकों में डायमंड पॉलिशिंग यूनिट्स से लिखी जा रही आत्मनिर्भरता की नई कहानी

खेतों की धूल छोड़ हीरे तराश रहीं महिलाएं, बदल रही परिवार की किस्मत

सूरत. एजेंसी

हीरे की असली चमक तब दिखती है, जब उस पर मेहनत की बारीक धार चलती है। गुजरात के गांवों में आज यही मेहनत कई महिलाओं की जिंदगी भी चमका रही है। जिन हाथों ने कभी खेतों में मिट्टी सानी थी, वही हाथ अब हीरों को तराश रहे हैं और अपनी किस्मत को भी नई रोशनी दे रहे हैं। गुजरात के ग्रमीण इलाकों में अब कई ऐसी डायमंड पॉलिशिंग यूनिट शुरू हो गई हैं, जिन्हें पूरी तरह महिलाएं चला रही है। ये छोटे-छोटे कारोबार उस उद्योग की तस्वीर बदल रहे हैं, जिसे लंबे समय तक पुरुषों का क्षेत्र माना जाता था। इन यूनिटों को अधिकतर वही महिलाएं संभाल रही है, जिन्होंने पहले पांच से सात साल तक डायमंड यूनिट में काम करके अनुभव हासिल किया। पहले गांवों की कई महिलाएं घर और खेती तक ही

सीमित रहती थीं। दिन भर खेतों में काम करने के बाद भी उनकी कमाई करीब 200 रुपये रोज से ज्यादा नहीं होती थी। लेकिन डायमंड पॉलिशिंग ने उनके सामने कमाई और आत्मनिर्भरता का नया रास्ता खोल दिया है। इस काम में महिलाओं को करीब 500 रुपये रोज तक मिल जाते है। काम का समय सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक तय रहता है और सबसे बड़ी बात यह है कि उन्हें घर के पास ही काम मिल जाता है।

बढ़ रही महिलाओं की भूमिका: सोनपरी गांव की सोनल चौहान ने भी तीन मशीन से शुरुआत की थी और अब उनकी यूनिट में 12 महिलाएं काम करती है। वहीं मालपुर गांव की रमा परमार अपनी यूनिट में महिलाओं को काम सिखा भी रही है। पालिताना डायमंड असोसिएशन के प्रेजिडेंट मधु ककड़िया के मुताबिक डायमंड कटिंग और पॉलिशिंग में महिलाओं की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। गुजरात के गांवों में हीरों की चमक अब सिर्फ बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चमक उन महिलाओं की आंखों में भी दिखाई दे रही है, जिन्होंने अपने हुनर से अपनी जिंदगी की दिशा बदल दी है।

कारोबार में भरोसा अहम

यूनिट चलाने वाली महिलाओं के मुताबिक मजदूरी, बिजली और लोन की किस्त जैसी लागत निकालने के बाद भी हर महीने करीब 20 से 30 हजार रुपये तक की आमदनी हो जाती है। भावनगर के वीरपुर गांव में अल्पा मकवाणा 10 स्कैफ मशीन वाली यूनिट चला रही है, जहां करीब 40 महिलाएं काम करती है। उनका कहना है कि महिलाएं घर के पास काम करती हैं और माहौल भी सुरक्षित रहता है। हीरा कीमती होता है, इसलिए भरोसेमंद हाथ जरूरी होते हैं और यह भरोसा अपने आसपास की महिलाओं पर ही मिलता है।

समर सीजन में भी लेट नाइट उड़ान शुरू होने की उम्मीद नहीं

24 घंटे खुला भोपाल एयरपोर्ट, फिर भी एयरलाइंस नहीं दिखा रहीं रुचि

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इस माह के अंत से लागू हो रहे समर शेड्यूल में एक भी लेट नाइट उड़ान शामिल नहीं हो सकी है। एयरपोर्ट अथारिटी ने एयरलाइंस कंपनियों को टाइम लिमिट से हटकर 24 घंटे में किसी भी समय स्लाट देने की पेशकश की है। इसके बावजूद एयरलाइंस कंपनियां रुचि नहीं दिखा रही हैं।

फिलहाल लेट नाइट उड़ान के रूप में केवल पुणे रूट पर एक उड़ान है। एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने के उद्देश्य से लंबे समय से दिल्ली, मुंबई, कोलकात्ता एयरपोर्ट्स की तरह 24 घंटे उड़ान संचालन को बढ़ावा दे रही हैं, लेकिन एयरलाइंस कंपनियां इसमें रूचि नहीं ले रही हैं। राजा भोज एयरपोर्ट पिछले डेढ़ साल से 24 घंटे खुल रहा है। इस अवधि में इंडिगो ने ही एक स्थाई पुणे उड़ान प्रारंभ की। कुछ समय के लिए मुंबई उड़ान प्रारंभ हुई फिर बंद हो गई। भोपाल से बेंगलुरू के लिए लंबे अर्से से लेट नाइट उड़ान की जरूरत महसूस की जा रही है। इस रूट पर दो नियमित उड़ाने हैं इसके बावजूद सस्ते टिकट नहीं मिलते।

मिड सीजन में बढ़ेंगी उड़ानें

समर शेड्यूल करीब छह माह लागू रहता है। मिड सीजन में कुछ नए रूट भोपाल से जुड़ेंगे। एयर इंडिया ने तकनीकी कारण से दिल्ली उड़ान एक माह के लिए बंद करने का निर्णय लिया है। अगले दो-तीन माह में एयर कनेक्टिविटी बढ़ेगी। लेट नाइट उड़ानें शुरू कराने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

लेट नाइट उड़ानों से लाभ

लेट नाइट उड़ानों में आमतौर पर सस्ते किराये में सीटों की बुकिंग होती है। एयरलाइंस कंपनियां देर रात को विमान पार्किंग में खड़े करने के बजाय ऐसे रूट पर इनका संचालन करती हैं जहां से 70 प्रतिशत से अधिक पैंसेजर लोड मिल सके। भोपाल से पुणे के बीच 80 प्रतिशत बुकिंग हो रही है। यदि बेंगलुरु, मुंबई एवं दिल्ली तक देर रात की उड़ानें प्रारंभ हो जाएं तो यात्रियों को राहत मिल सकती है।

नवी मुंबई शुरू होगी

29 मार्च से लागू हो रहे समर शेड्यूल में भोपाल से केवल नवी मुंबई तक एक उड़ान प्रारंभ हो रही है। मुंबई की एक उड़ान बंद होने का प्रस्ताव है। एयर इंडिया की मार्निंग उड़ान भी एक माह के लिए बंद हो रही है। गोवा एवं अहमदाबाद उड़ान भी बंद करने का प्रस्ताव है। यानि पहली बार समर सीजन में भोपाल से एयर कनेक्टिविटी बढ़ने के बजाय कम होने जा रही है।

थायराइड मरीजों के लिए अच्छी खबर

अब एम्स में रेडियो आयोडीन से होगा थायराइड कैंसर का जड़ से इलाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

थायराइड की गंभीर बीमारियों और कैंसर से जूझ रहे मरीजों के लिए एम्स भोपाल के न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में अब रेडियो आयोडीन ट्रीटमेंट की अत्याधुनिक सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस तकनीक से थायराइड कैंसर के 90 प्रतिशत मामलों को जड़ से खत्म करना संभव है।

अब मरीजों को इस महंगे इलाज के लिए दिल्ली या मुंबई जैसे महानगरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

हाइपरथायराइडिज्म (थायराइड ग्रंथि की अत्यधिक सक्रियता) एक ऐसी बीमारी है जिसमें मरीज को सालों तक एंटी-थायराइड दवाएं लेनी पड़ती हैं। एम्स भोपाल के विशेषज्ञों के अनुसार, न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में उपलब्ध रेडियो आयोडीन उपचार एक सुरक्षित विकल्प है। यह थायराइड की अतिरिक्त सक्रियता को नियंत्रित कर देता है, जिससे मरीज की दवाओं पर निर्भरता न्यूनतम हो जाती है।

कोशिकाओं का होगा जड़ से खात्मा

डिफरेंशिएटेड थायराइड कैंसर के मामलों में अक्सर सर्जरी के बाद भी शरीर में कुछ सूक्ष्म कैंसर कोशिकाएं बची रह जाती हैं। रेडियो आयोडीन ट्रीटमेंट इन बची हुई कोशिकाओं को टारगेट कर नष्ट कर देता है। इससे कैंसर की पुनरावृत्ति की संभावना लगभग खत्म हो जाती है। सर्जरी और इस रेडियो थेरेपी का मेल मरीज को बेहतर और सुरक्षित परिणाम देता है। विशेषज्ञों का कहना है कि गले में सूजन, आवाज में भारीपन या निगलने में तकलीफ जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें। समय पर जांच और न्यूक्लियर मेडिसिन तकनीक के सही तालमेल से थायराइड की जटिल से जटिल बीमारी को हराया जा सकता है। एम्स में यह सुविधा रियायती दरों पर उपलब्ध है।

किसे मिलेगा इसका लाभ

हाइपरथायराइडिज्म – वे मरीज जो दवाओं के साइड इफेक्ट या लंबे इलाज से थक चुके हैं।

थायराइड कैंसर – विशेषकर डिफरेंशिएटेड प्रकार के कैंसर मरीज, जिनकी सर्जरी हो चुकी है।

सटीक उपचार – यह थेरेपी केवल प्रभावित कोशिकाओं पर वार करती है, जिससे शरीर के बाकी हिस्से सुरक्षित रहते हैं।

मूल्यांकन में पारदर्शिता बनाए रखने ऐप से हो रही मॉनिटररिंग

35 हजार से अधिक शिक्षक जांच रहे दसवीं-बारहवीं बोर्ड परीक्षा की कॉपियां

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10 और 12 वीं बोर्ड परीक्षाओं का मूल्यांकन कार्य शुरू कर दिया गया है। करीबन 90 लाख से अधिक कॉपियों की जांच के लिए 35 हजार से अधिक शिक्षकों को नियुक्त किया गया है। सीबीएसई की तर्ज पर ही एमपी बोर्ड में भी इस बार मूल्यांकन की निगरानी एक विशेष ऐप के माध्यम से की जाएगी। बोर्ड परिणाम मई के पहले सप्ताह तक आने की संभावना है।

मंडल के अधिकारियों के अनुसार कॉपियों की जांच में पारदर्शिता बनाए रखने शिक्षकों की उपस्थिति और काम का विवरण एक ऐप के जरिए ऑनलाइन मॉनिटर से

जा रहा है। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने 35,000 से अधिक शिक्षकों को लगाया गया है। उन्हें आदर्श उत्तरों के आधार पर कॉपियां जांचने का प्रशिक्षण दे चुके हैं। जानकारी के अनुसार बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन का काम तेजी से चल रहा है, ताकि परिणाम समय पर मई जारी किए जा सकें। हम प्रयास कर रहे कि मई के पहले सप्ताह में दोनों परीक्षाओं का परिणाम जारी कर दें। बता दें कि कक्षा 10 वीं परीक्षा 13 फरवरी से 6 मार्च और 12 वीं की परीक्षा 10 फरवरी से 7 मार्च तक चली।

छात्र अपना रिजल्ट बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट या पोर्टल पर चेक कर सकेंगे। विद्यार्थियों को पास होने के लिए प्रत्येक विषय में न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। जो विद्यार्थी पास नहीं हो पाएंगे, उनके लिए जुलाई में विशेष परीक्षा दोबारा बैठने का अवसर मिलेगा।

भानपुर-शिवनगर रोड : सीवेज का गंदा पानी सड़कों पर

भोपाल। शहर के भानपुर स्थित शिवनगर रोड पर इन दिनों सिवेज का गंदा पानी सड़कों पर बहता हुआ नजर आ रहा है। लंबे समय से चली आ रही इस समस्या के कारण क्षेत्र के रहवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान देने के बजाय समस्या को नजरअंदाज करता दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार सीवर लाइन चोक होने या क्षतिग्रस्त होने के कारण गंदा पानी लगातार सड़क पर फैल रहा है। इसके चलते सड़क पर कीचड़ और बदबू का माहौल बना हुआ है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को आने-जाने में दिक्कत हो रही है। कई बार लोग फिसलकर गिर भी चुके हैं, वहीं आसपास रहने वाले नागरिकों को गंदगी और दुर्गंध के कारण स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का भी डर बना हुआ है।

गोंदिया स्टेशन पर होना है ट्रैक कार्य

परेशानी...भोपाल रूट की कई एक्सप्रेस ट्रेनें निरस्त

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल मंडल से गुजरने वाली कई ट्रेनों का संचालन अप्रैल में प्रभावित रहेगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया स्टेशन पर ट्रैक कार्य के चलते लगभग 20 दिनों तक यातायात बंद रहने से तीन जोड़ी ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा।रेलवे प्रशासन के अनुसार गोंदिया स्टेशन पर लाइन नंबर-5 (अप मेन लाइन) पर स्थित वॉशेबल एप्रन को हटाकर उसे बैलेस्टेड ट्रैक में बदलने का कार्य किया जाएगा। इस काम के कारण 5 अप्रैल से 24 अप्रैल 2026 तक ब्लॉक लिया जाएगा, जिससे भोपाल मंडल होकर चलने वाली कई एक्सप्रेस ट्रेनें निरस्त रहेंगी।

ये ट्रेनें रहेंगी रद्द

18237 कोरबा-अमृतसर एक्सप्रेस : कोरबा से 5 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक रद्द। **18238 अमृतसर-बिलासपुर एक्सप्रेस :** अमृतसर से 7 अप्रैल से 27 अप्रैल 2026 तक रद्द। **12410 हज़रत निजामुद्दीन-रायगढ़ एक्सप्रेस :** 2, 4, 6, 7, 8, 9, 11, 13, 14, 15, 16, 18, 20, 21 और 22 अप्रैल को रद्द। 12409 **रायगढ़-हज़रत निजा.एक्सप्रेस:** 4, 6, 8, 9, 10, 11, 17, 18, 20, 22, 23 और 24 अप्रैल को रद्द। **12807 विशाखापत्तनम-हज़रत निजामुद्दीन एक्सप्रेस :** 5, 7, 8, 9, 11, 12, 14, 15, 16, 18, 19, 21, 22 और 23 अप्रैल को रद्द। 12808 निजामुद्दीन-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस : 7, 9, 10, 25 अप्रैल को रद्द रहेगी।

मई में भोपाल से जयपुर मार्ग की ट्रेनें रहेंगी प्रभावित

उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल के कनकपुरा स्टेशन स्थित यार्ड में मई में नानइंटरलॉकिंग कार्य होना है। इसके कारण भोपाल मंडल से चलने व भोपाल मंडल होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी। इसमें मई में 7 ट्रिप भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। पमरे के जनसपंर्क अधिकारी नवल अग्रवाल ने बताया कि 14814 भोपाल से 03, 04, 05, 08, 12, 13 एवं 14 मई को और 14813 जोधपुर से 02, 03, 04, 07, 11, 12 एवं 13 मई को 07-07 ट्रिप निरस्त रहेगी। इसके अलावा कुछ ट्रेनों को आंशिक निरस्त किया है। 12181 जबलपुर-अजमेर एक्सप्रेस 03 से 05, 08, 11 से 14 तक 08 ट्रिप जबलपुर से केवल जयपुर तक ही चलेगी। यह ट्रेन जयपुर-अजमेर स्टेशनों के मध्य आंशिक निरस्त रहेगी। 12182 अजमेर- जबलपुर एक्सप्रेस 04 से 06 मई, 09, 12 से 15 तक 08 ट्रिप अजमेर के स्थान पर जयपुर से चलेगी। यह रेलसेवा अजमेर-जयपुर स्टेशनों के मध्य आंशिक निरस्त रहेगी।

मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी में 'अभ्युदय भारत' का आयोजन

भोपाल। मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा मानसरोवर मेडिकल कॉलेज, बिलकिसगंज, गादिया में राष्ट्रभक्ति को समर्पित 'अभ्युदय भारत 2026' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें वन्दे मातरम् के ऐतिहासिक महत्व और युवाओं में राष्ट्रवाद की भावना को जागृत करने पर बल दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रखर वक्ता अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री चेतस सुखाड़िया, प्रो. चांसलर इंजी. गौरव तिवारी, प्रो-चांसलर डॉ. अरुण पाण्डेय, कुलपति डॉ. एएस यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य वक्ता चेतस सुखाड़िया ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम की शक्ति बना वन्दे मातरम् आज भी राष्ट्रीय एकता का सूत्रधार है। वन्दे मातरम् गीत बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की वह शक्ति बना जिसने क्रांतिकारियों को देश के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की प्रेरणा दी। प्रो. गौरव तिवारी ने कहा कि हमारा लक्ष्य एक ऐसे समर्थ भारत का निर्माण करना है जहां का युवा अवसरों की तलाश में विदेश की ओर देखने की बजाए अपनी समृद्ध संस्कृति और ज्ञान के प्रकाश को पूरी दुनिया में फैलाए। इस अवसर पर प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। गायन स्पर्धा में शर्मिष्ठा पॉल (प्रथम), पलक गीते (द्वितीय) और गायत्री जवालगे (तृतीय) स्थान पर रहे। वहीं चित्रकला स्पर्धा में प्राजक्ता राणे (प्रथम), तन्वी वादरते (द्वितीय) और मुस्कान सिंह साकेत (तृतीय) स्थान पर रहे। इस दौरान यूनिवर्सिटी की कुलाधिपति मंजुला तिवारी, डीन डॉ. अरविंद अठावले, फैकल्टी ऑफ आयुर्वेदा प्राचार्य डॉ. श्रीकांत पटेल, रजिस्ट्रार डॉ. पुष्पेंद्र तिवारी सहित सभी संकाय के डीन, प्राचार्य आदि मौजूद रहे।

जोमैटो बॉय बनकर चेन लूटने वाली गैंग को अयोध्या नगर पुलिस ने पकड़ा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अयोध्या नगर पुलिस ने शहर में दहशत का पर्याय बने एक शातिर चेन लूटेरे गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों सहित लूट का सोना खरीदने वाले एक जौहरी को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 8 वारदातों (7 चेन स्नेचिंग और 1 वाहन चोरी) का कुल 17 लाख रुपए मूल्य का माल बरामद किया गया है।

डिलीवरी एजेंट बनकर करते थे रेकी पकड़े गए आरोपी निखिल शर्मा (28) और आकाश उर्फ अभिमन्यु सिंह (22) बेहद शातिर हैं। आकाश पहले जोमैटो में डिलीवरी एजेंट का काम करता था। इसी की आड़ में आरोपी रिहाइशी इलाकों की रेकी करते थे और सुनसान रास्तों पर अकेली महिलाओं को निशाना बनाकर उनके गले से चेन झपटकर फरार हो जाते थे। आरोपियों ने पूछताछ में कबूला कि वे शराब और महंगे शौक पूरे करने के लिए इन वारदातों को अंजाम देते थे।

100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों ने खोला राज: 2 मार्च को मिनाल रेसीडेंसी में गोमती भकौरिया से हुई लूट के बाद पुलिस सक्रिय हुई। डीसीपी जोन-2 विवेक सिंह के मार्गदर्शन में गठित टीम ने सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने भानपुर मल्टी के पास से घेराबंदी कर दोनों को दबोचा।

ज्वेलर्स भी चढ़ा पुलिस के हत्थे: आरोपी लूटी गई चेन भोपाल और रीवा स्थित मुथूट गोल्ड फाइनेंस और स्थानीय ज्वेलर्स के पास गिरवी रखते या बेच देते थे। पुलिस ने इस मामले में चोरी का माल खरीदने वाले जौहरी भुवन सोनी को भी आरोपी बनाया है और उसे गिरफ्तार कर लिया है। इस बड़ी कामयाबी में अयोध्या नगर थाना प्रभारी महेश लिल्हारे, उनि सुदील देशमुख, विजय कर्चुली, टेक्निकल सेल के आरक्षक भूपेंद्र उईके व जितेंद्र सिंह की मुख्य भूमिका रही।

मेट्रो एंकर

इंद्राणी समारोह में वाद्यों की जुगलबंदी और लोकनृत्यों की दी गई प्रस्तुति

सधी हुई लय, ताल के समन्वय ने वातावरण को बना दिया भक्तिमय

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

महिलाओं की सृजनात्मकता के उत्सव 'इंद्राणी समारोह' का शुभारंभ मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में पद्मश्री दुर्गा बाई व्याम के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस तीन दिवसीय आयोजन की शुरुआत कर्नाटक की कलाकार रंजनी वेंकटेश व साथियों की प्रस्तुति 'नादलय रंजनी पंच वाद्य' से हुई। इसके बाद संगीत, नृत्य और लोककलाओं की प्रस्तुतियों के तहत कर्नाटक की कलाकार रंजनी वेंकटेश एवं साथियों ने 'नादलय रंजनी पंच वाद्य' पेश किया। उन्होंने 'अम्मा आनंददायिनी' में आधारित ताना वर्णम्, आदि ताल की प्रस्तुति दी। कलाकारों की सधी हुई लय, ताल और वाद्यों के समन्वय ने वातावरण को भक्तिमय और ऊर्जावान बना दिया। इस प्रस्तुति में एमके वासवी, भाग्यलक्ष्मी एम कृष्णा, रंजिनी सिद्धांथी वेंकटेश, विदूषी सीवी श्रुति, स्मिता श्रीकिरण तथा योगवंदना ने संगत दी। वहीं आंध्रप्रदेश की पुष्पलता और उनके साथियों ने कर्नाटक का प्रसिद्ध ढोलूकुनिथा नृत्य प्रस्तुत किया। इसमें नर्तक कमर में बड़ा ढोल बांधकर तेज लय और ऊर्जावान पद संचालन के साथ प्रस्तुत विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजी इस शाम ने दर्शकों को भारतीय लोक और शास्त्रीय परंपराओं की समृद्ध विरासत से लबरेज कर दिया।

बुधवार को भक्ति गायन आस्था गोस्वामी एवं साथी- उत्तरप्रदेश, शक्तिः कथक शैली- ऋतुश्री चौधरी एवं साथी- दिल्ली, नौरता नृत्य दूर्वा नामदेव एवं साथी- सागर, सैताम नृत्य भारिया जनजातीय - अंकिता एवं साथी- छिंदवाड़ा, गरबा/टीपणी नृत्य मीति हसमुखराय एवं साथी- गुजरात, लावणी नृत्य श्रद्धा सतविदकर एवं साथी-महाराष्ट्र के कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएगी। वहीं गुरुवार भोजपुरी गायन नीतू कुमारी एवं साथी- दिल्ली, नारायणी नृत्य प्रस्तुति में कुच्चिपुड़ी- टी. लक्ष्मी रेड्डी- दिल्ली, भरतनाट्यम- नीरजा सक्सेना, मोहिनीअट्टम- कविता शाजी, भोपाल, जघरणा नृत्य आशा कोतवाल एवं साथी अपनी प्रस्तुति देंगे।

खंडवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दादा गुरु जी की चौथी नर्मदा सेवा परिक्रमा के समापन अवसर पर खंडवा जिले के ओंकारेश्वर स्थित ममलेश्वर मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर मां नर्मदा के जल से अभिषेक किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान ममलेश्वर से प्रदेशवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की।

दिग्विजय वाली सीट पर कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग का रिस्क

पार्टी के अंदर टेंशन, 6 MLA टूटे तो हाथ से निकल सकती है राज्यसभा की सीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी में 19 जून को राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो रहीं हैं। दो सीटों पर बीजेपी के डॉ.सुमेर सिंह सोलंकी और जॉर्ज कुरियन सांसद हैं। कांग्रेस की सीट से दिग्विजय सिंह सांसद हैं। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह राज्यसभा जाने को लेकर इनकार कर चुके हैं। दिग्विजय ने कहा था कि मैं अपनी सीट खाली कर रहा हूं। दिग्विजय के इनकार के बाद कांग्रेस के कब्जे वाली राज्यसभा सीट के लिए छोटे- बड़े नेताओं को मिलाकर करीब दर्जन भर नेता दावेदारी कर रहे हैं। लेकिन, पार्टी के भीतर इस सीट को जीतने के लिए टेंशन का माहौल है।

सूत्रों की मानें तो कांग्रेस के एक सीनियर लीडर जो राज्यसभा की रेस में शामिल हैं वे कहते हैं- हमें तो इस बात का डर है कि कहीं हम ये सीट हार न जाएं। अगर 6 विधायक इधर से उधर हुए तो ये सीट हमारे हाथ से जा सकती है। क्योंकि, बीजेपी की ओर से विधायकों को अगले इलेक्शन की टिकट और अन्य कुछ ऑफर दिए जा रहे हैं।

इस मामले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- भारतीय जनता पार्टी जब हर जगह तोड़फोड के प्रयास करती है। तो उन्हें वो प्रयास करने दीजिए। लेकिन, हम लोग सब मजबूत हैं। और राज्यसभा सीट कांग्रेस की रहेगी। बीजेपी ने कहा- हमारे पास पर्याप्त विधायक जबलपुर से बीजेपी विधायक अभिलाष पांडे ने कहा- भाजपा अपने काम पर विश्वास रखती है। और हमारे पास इतने ज्यादा नंबर हैं। कांग्रेस अपनी चिंता करे और खुद का आत्ममंथन करे। अभी हाईकोर्ट का भी एक निर्णय आया है। भाजपा के पर्याप्त विधायक हैं। बीजेपी अपनी थीम और अपने विचार पर काम करने वाला संगठन है।

नेता प्रतिपक्ष बोले-बीजेपी तोड़फोड का प्रयास करती है, लेकिन हम मजबूत हैं

एक सीट जीतने 58 विधायकों की जरूरत

इस बार राज्यसभा की तीन सीटों पर होने वाले चुनाव में 230 विधायकों के गणित पर चुनाव होगा। एक उम्मीदवार को जीतने के लिए 58 वोटों की जरूरत होगी। विधानसभा में आंकड़ों के हिसाब से कांग्रेस के 65 विधायक हैं। इनमें बीना विधायक निर्मला सप्रे अब बीजेपी के साथ हैं। ऐसे में कांग्रेस के पास 64 विधायक बचते हैं। लेकिन, विजयपुर विधायक मुकेश मल्होत्रा का निर्वाचन हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने शून्य कर दिया है। यदि मुकेश मल्होत्रा को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिलती है। तो एक और वोट कम हो जाएगा। इस स्थिति में कांग्रेस के पास 63 विधायक बचेंगे। 5 विधायक इधर से उधर हुए तो जा सकती है कांग्रेस की सीट कांग्रेस में अंदरूनी तौर पर यह चर्चा चल रही है कि यदि पांच विधायकों को बीजेपी अपने पाले में करने में कामयाब हो गई तो कांग्रेस के कब्जे वाली राज्यसभा सीट हार सकती है। वहीं, विधानसभा में बीजेपी के आंकड़ों के हिसाब से 164 विधायक हैं। बीना विधायक के समर्थन से विधायकों की संख्या 165 हो सकती है। बीएपी के एक मात्र विधायक कमलेश्वर डोडियार का मत भी महत्वपूर्ण होगा। कांग्रेस को आशंका है कि यदि उसके 6 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग कर दी तो सीट हाथ से जा सकती है।

2020 में 206 विधायकों पर हुआ था राज्यसभा का चुनाव

2022 के राष्ट्रपति चुनाव में जब द्रोपदी मुर्मू एनडीए की उम्मीदवार थीं, तब मध्य प्रदेश में बड़े पैमाने पर क्रॉसवोटिंग देखने को मिली थी, जिसने कांग्रेस को चौंका दिया था। 2020 में जब एमपी की तीन राज्यसभा सीटों पर चुनाव हुआ था। उस वक्त ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ बीजेपी में गए 22 विधायकों और दो विधायकों के निधन के कारण कुल 24 सीटें खाली थीं। 206 सीटों के गणित पर हुए राज्यसभा चुनाव में एक उम्मीदवार को जीतने के लिए 52 वोटों की जरूरत थी। दिग्विजय सिंह 57 वोट पाकर राज्यसभा सांसद चुने गए थे।

राष्ट्रपति चुनाव में हो चुकी है क्रॉस वोटिंग

उस समय मध्य प्रदेश विधानसभा में विधायकों की स्थिति और मतदान का परिणाम कुछ इस तरह था : विपक्ष (कांग्रेस + अन्य) की अपेक्षित संख्या- कांग्रेस के पास 96 विधायक थे। इसके अलावा बसपा (2), सपा (1) और निर्दलीयों (4) के समर्थन के साथ विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को करीब 103 वोट मिलने की उम्मीद थी। लेकन उन्हें केवल 79 वोट मिले।

क्रॉसवोटिंग की संख्या: आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश के लगभग 19 से 20 विधायकों ने अपनी पार्टी लाइन से हटकर द्रोपदी मुर्मू के पक्ष में मतदान किया था।

शिथिलता बरतने वाले संविदाकारों को ब्लैक लिस्ट करने के दिये निर्देश

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने अमृत-2.0% मिशन के अंतर्गत संचालित जल प्रदाय एवं सीवरेज परियोजनाओं की प्रगति की व्यापक और सघन समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि यह बैठक गत 19 जनवरी 2026 को मिंटो हॉल में आयोजित अमृत मंथन कार्यशाला की निरंतरता में आयोजित की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य मिशन के लक्ष्यों की समयबद्ध प्रतिपूर्ति सुनिश्चित करना था। समीक्षा के दौरान विशेष रूप से उन 53 परियोजनाओं के वस्तुगत स्वरूप और कार्य-प्रगति का विश्लेषण किया गया, जिन्हें पूर्व में उनकी धीमी गति के आधार पर रेड लिस्ट की श्रेणी में रखा गया था। बैठक में संचालनालय एवं संभागीय कार्यालयों के अधिकारियों, एसएमएमयू, नगरीय निकायों के यंत्रियों सहित समस्त पीडीएमसी, टीम लीडर्स और संबंधित संविदाकार फर्मों के प्रबंधकों व समन्वयकों की उपस्थिति में प्रत्येक परियोजना के घटकवार लक्ष्यों की समीक्षा की गई।

किसानों का कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता : कृषि मंत्री कंषाना

भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि किसानों का कल्याण करना राज्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित कर खेती को लाभ का धंधा बनाने और किसानों की आय आय बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं। कृषि विभाग द्वारा किसानों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं और गतिविधियां संचालित की गई हैं । विभाग का प्रमुख दायित्व प्रदेश में कृषि फसलों की उत्पादकता में वृद्धि, भूमि एवं जल प्रबंध, लघु सिंचाई कार्यक्रमों का विस्तार एवं नवीनतम विकसित कृषि तकनीकी को खेतों तक पहुंचाने के लिए कृषकों को प्रेरित करना है।

ईरान-इजराइल युद्ध का असर, मप्र में कमर्शियल गैस का संकट

बुकिंग हुई बंद, होटल और रेस्टोरेंट पर लग सकते हैं ताले!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईरान-इजराइल युद्ध के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर मध्यप्रदेश में सतर्कता बढ़ गई है। कई शहरों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई रोक दी गई है, जिससे होटल-रेस्टोरेंट और छोटे व्यवसायों पर असर पड़ने की आशंका है। राजधानी भोपाल में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने ऑयल कंपनियों, गैस एजेंसियों और व्यापार संगठनों की बैठक बुलाई। वहीं भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स ने कहा कि कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिलने से शहर के 2000 से ज्यादा होटल-रेस्टोरेंट संकट में आ सकते हैं। ऑयल कंपनियों ने कमर्शियल सिलेंडर की डिलीवरी रोक दी है। हालांकि सरकार का कहना है कि घरेलू गैस और पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य है और घबराने की जरूरत नहीं है। प्रदेश में एलपीजीकी उपलब्धता को लेकर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं। कलेक्टरों से कहा गया है कि वे जिला स्तर पर खाद्य विभाग, ऑयल कंपनियों और गैस वितरकों के साथ नियमित बैठक कर घरेलू व कमर्शियल सिलेंडरों के स्टॉक और आपूर्ति की समीक्षा करें। इसके साथ ही बड़े व्यावसायिक उपभोक्ताओं जैसे होटल, मॉल और फैक्ट्री संचालकों के साथ बैठक कर एलपीजी का विवेकपूर्ण उपयोग करने और वैकल्पिक ईंधन अपनाने की सलाह दें। यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि कहीं भी एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी या कालाबाजारी की स्थिति न बने। घरेलू उपभोक्ताओं को गैस सप्लाई प्राथमिकता से उपलब्ध कराई जाए।

पांच बड़े शहरों में घरेलू सिलेंडर की भी वेटिंग

भोपाल: भोपाल में कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई रुकने से होटल-रेस्टोरेंट और कैटरिंग कारोबार प्रभावित होने की आशंका है। भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष गोविंद गोयल और मंत्री अजय देवनानी ने प्रशासन को बताया कि शहर के 2000 से ज्यादा होटल-रेस्टोरेंट कमर्शियल गैस पर निर्भर हैं। शादियों के सीजन में एक बड़े होटल में एक बार में 10-15 सिलेंडर और छोटे होटल में 2-4 सिलेंडर तक इस्तेमाल होते हैं।

इंदौर: इंदौर में भी कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई बंद कर दी गई है। घरेलू गैस सिलेंडर की डिलीवरी 4-5 दिन में हो रही है। इंदौर होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित सूरी के अनुसार अभी शहर में होटल इंडस्ट्री को कोई बड़ा संकट नहीं आया है, लेकिन आने वाले दिनों में परेशानी हो सकती है। होटल संचालकों ने इस मुद्दे पर बैठक बुलाई है और मुख्यमंत्री से मुलाकात की तैयारी भी है।

उज्जैन: उज्जैन में भी दो दिन से कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। कलेक्टर रोशन सिंह के अनुसार फिलहाल कमर्शियल सिलेंडर सिर्फ अस्पताल और स्कूलों को दिए जा रहे हैं। घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग अब 25 दिन बाद ही हो सकेगी और डिलीवरी में 5-7 दिन लग सकते हैं।

ग्वालियर: ग्वालियर में कमर्शियल गैस सिलेंडर की बुकिंग पूरी तरह बंद कर दी गई है। ग्वालियर-चंबल एलपीजी फेडरेशन के अनुसार फिलहाल सिर्फ हॉस्पिटल और इमरजेंसी सेवाओं को ही सिलेंडर दिए जा रहे हैं। घरेलू गैस सिलेंडर की डिलीवरी में 5 से 6 दिन का समय लग रहा है। होटल-रेस्टोरेंट संचालकों का कहना है कि गैस नहीं मिलने पर कारोबार प्रभावित होगा। कई संचालक इंडक्शन चूल्हे का विकल्प भी तलाश रहे हैं।

जबलपुर: जबलपुर में होटल और रेस्टोरेंट संचालकों ने गैस सप्लाई कम होने की बात कही है। होटल अरिहंत पैलेस के संचालक राजेश जैन का कहना है कि सरकार ने इंडस्ट्रियल और कमर्शियल सेक्टर में सप्लाई सीमित कर दी है, जिससे होटल व्यवसाय प्रभावित हो सकता है। होटल संचालक शुभम गुप्ता ने बताया कि एजेंसी से सिलेंडर लेने पहुंचे तो उन्हें सिलेंडर नहीं मिला।

छिंदवाड़ा- कमर्शियल सिलेंडर की बुकिंग और सप्लाई बंद कर दी गई है, होटल और अन्य व्यवसाय प्रभावित होने की आशंका है।

पहले ही किया था आगाह

गैस संकट... आज से कमर्शियल- इंडस्ट्रियल सिलेंडर सप्लाई बंद, घरेलू सिलेंडर भी एक माह में एक ही मिलेगा

दोपहर मेट्रो में 6 मार्च को प्रकाशित खबर

युद्ध के चलते एलपीजी का संकट गहराने की खबर में दोपहर मेट्रो ने बता दिया था कि सरकार कमर्शियल और इंडस्ट्रियल सिलेंडर की सप्लाई बंद कर रही है। साथ ही घरेलू सिलेंडर पर भी राशनिंग लागू की जाएगी। आगाह किया था कि इससे होटल और रेस्टोरेंट बंद होने का खतरा है।

प्रदेश में साइबर पुलिस का 'ऑपरेशन फेस'...

एक ही चेहरे पर हजारों सिमकार्ड, 33 जिलों में 36 हजार से अधिक सक्रिय

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में फर्जी दस्तावेजों के जरिए सिमकार्ड जारी करने के बड़े घोटाले का खुलासा हुआ है। साइबर पुलिस ने एक ही फोटो का इस्तेमाल कर अलग-अलग पहचान पत्रों के सहारे सिम एक्टिवेट कराने वाले गिरोह के खिलाफ 'ऑपरेशन फेस' शुरू किया है। दूरसंचार विभाग से मिले डेटा के विश्लेषण में सामने आया है कि प्रदेश के 33 जिलों में 135 ऐसे चेहरे हैं, जिनके नाम और फोटो के आधार पर 36,668 सिमकार्ड सक्रिय किए गए हैं। पुलिस अब इन मामलों की गहन जांच कर आरोपी पीओएस एजेंटों और गिरोह से जुड़े लोगों की धरपकड़ की तैयारी कर रही है।

साइबर पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों के अनुसार यह घोटाला केवल राजधानी भोपाल तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश के कई जिलों में संगठित रूप से चल रहा था। जांच में पता चला है कि 33 जिलों में ऐसे 135 चेहरे चिन्हित किए गए हैं, जिनके आधार पर कम से कम 50 या उससे अधिक सिमकार्ड जारी किए गए हैं।

इन सभी मामलों में एक ही व्यक्ति की फोटो का उपयोग कर अलग-अलग पहचान पत्रों के जरिए बड़ी संख्या में सिमकार्ड सक्रिय किए गए। इससे यह संकेत मिलता है कि प्रदेश में एक बड़ा संगठित गिरोह सक्रिय था।

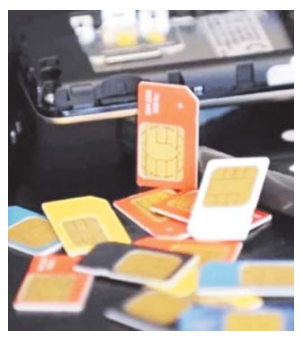

गुना, सतना और मुरैना में सबसे ज्यादा मामले

दूरसंचार विभाग से प्राप्त डेटा के अनुसार सबसे बड़ा फर्जीवाड़ा गुना जिले में सामने आया है। यहां एक ही फोटो के आधार पर 3,760 सिमकार्ड सक्रिय पाए गए हैं। इसी तरह सतना जिले में 2,870 और मुरैना में 2,714 सिमकार्ड एक ही तस्वीर के आधार पर जारी किए गए हैं। इसके अलावा बैतूल, भोपाल और इंदौर जैसे बड़े जिलों में भी इस तरह के कई मामले सामने आए हैं। नियमों के अनुसार किसी भी व्यक्ति के नाम और पहचान पत्र के आधार पर अधिकतम नौ सिमकार्ड ही जारी किए जा सकते हैं। लेकिन पीओएस (पॉइंट ऑफ सेल) एजेंटों ने इस नियम की अनदेखी करते हुए फर्जी दस्तावेज तैयार कर बड़ी संख्या में सिमकार्ड एक्टिवेट कर दिए।

मंत्री परमार ने चित्रकूट स्थित पंचवटी घाट पर किया श्रमदान

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने चित्रकूट प्रवास के दौरान पवित्र पंचवटी घाट पर माँ मंदाकिनी नदी के स्वच्छता अभियान में भाग लेकर श्रमदान किया। मंत्री परमार ने स्वयं घाट परिसर में सफाई करते हुए लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

रतलाम में E-FIR की रफ्तार धीमी डेढ़ साल में सिर्फ 344 मामले दर्ज

रतलाम। रतलाम जिले में नागरिकों की सुविधा के लिए शुरू की गई ई-एफआइआर व्यवस्था अपेक्षित गति नहीं पकड़ सकी है। 1 जुलाई 2024 से लागू इस व्यवस्था के तहत अब तक केवल 344 ई-एफआइआर दर्ज हुई हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह संख्या काफी कम है, जो इस सुविधा के प्रति लोगों में जागरूकता की कमी को दर्शाती है। हालांकि पुलिस का कहना है कि ई-एफआइआर प्रणाली नागरिकों को घर बैठे शिकायत दर्ज कराने की सुविधा देती है और इससे पुलिस कार्रवाई भी तेज हो सकती है। अब पुलिस प्रशासन इस व्यवस्था को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने की तैयारी कर रहा है।

ई-एफआइआर से घर बैठे दर्ज कर सकते हैं शिकायत

पुलिस के अनुसार ई-एफआइआर व्यवस्था के माध्यम से नागरिक चोरी, गुमशुदगी और एक लाख रुपये से अधिक की साइबर धोखाधड़ी से जुड़े मामलों की शिकायत ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए मध्यप्रदेश पुलिस के नागरिक सेवा पोर्टल पर जाकर शिकायत दर्ज करनी होती है। ऑनलाइन शिकायत दर्ज होने के बाद उसकी सूचना सीधे संबंधित थाने तक पहुंच जाती है और पुलिस प्रारंभिक कार्रवाई शुरू कर देती है। ई-एफआइआर दर्ज होने के बाद शिकायतकर्ता को तीन दिन के भीतर संबंधित थाने में उपस्थित होना अनिवार्य होता है।

मेट्रो एंकर कूनो नेशनल पार्क में क्षमता से ज्यादा हुए चीते

अब रानी दुर्गावती अभयारण्य बनेगा तीसरा ठिकाना

दमोह, दोपहर मेट्रो

देश में 17 सितंबर 2022 को शुरू किए चीता प्रोजेक्ट के अंतर्गत अब चीतों की संख्या न सिर्फ अफ्रीकी देशों से लाए गए कुल 20 चीतों से बढ़कर 53 हो गई है, बल्कि श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में यह आंकड़ा 50 पर पहुंच गया है। वहीं, मंदसौर जिले में स्थित गांधीसागर अभयारण्य में तीन चीतों को शिफ्ट किया जा चुका है। चीतों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर ही पिछले दिनों मध्य प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा गया था कि सरकार का लक्ष्य साल के अंत तक चीतों की संख्या 50 पहुंचाने का है। इसके बाद अन्यत्र इनकी संख्या में वृद्धि की तैयारी की जाएगी, लेकिन बोत्सवाना से लाए गए नौ चीतों के अलावा पिछले 30 दिन में ही कूनो में 13 शावकों के जन्म से यहां चीतों की संख्या अचानक बढ़ गई है।

ऐसे में, कूनो और गांधी सागर के बाद देश में रानी दुर्गावती अभयारण्य (नौरादेही) चीतों का तीसरा घर बनेगा। इसका क्षेत्र 1,197 वर्ग किलोमीटर है। मंगलवार को यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने राज्य कैबिनेट की बैठक से पहले मंत्रियों को दी। उन्होंने बताया कि मई-जून में यहां चीते छोड़े जाएंगे। चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत में ही मध्य प्रदेश के तत्कालीन प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) जेएस चौहान ने बताया था कि 750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला कूनो नेशनल पार्क 30 चीतों को बसाने के अनुकूल है। यहां शिकार कर उनके भोजन के लिए पर्याप्त वन्य जीव मौजूद हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, प्रत्येक चीते को लगभग 50-100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल की आवश्यकता होती है। यह आकलन चीतों के दौड़ने की क्षमता और उनकी प्रवृत्ति के अनुरूप किया गया है।

चीतों की संख्या को देखते हुए बढ़ा इलाका

प्रोजेक्ट शुरू होने के छह माह बाद ही चीतों की बढ़ती संख्या को देखते हुए न सिर्फ कूनो में श्योपुर व शिवपुरी वन मंडल का भाग भी जोड़ा गया बल्कि राजस्थान और उत्तर प्रदेश के भी कुछ जिलों को जोड़कर कॉरिडोर तैयार करने की कवायद भी की गई है। चीते भी यहां के प्राकृतिक माहौल में ढलकर मुरैना से लेकर ग्वालियर तक पहुंचने के अलावा श्योपुर की राजस्थान से सटी सीमा पर बसे जिलों तक घूम रहे हैं। कूनो में मौजूद सभी छह मादा चीता मां बन चुकी हैं। इनके द्वारा जन्मे कुल 33 शावकों में से कई वयस्क हो चुके हैं। केवल मंदसौर में बसी चीता धीरा ही मां नहीं बन सकी है।

बच्चे, सोशल मीडिया और बहस

भारत में बच्चों के जीवन में तेजी से बढ़ती डिजिटल उपस्थिति अब नीति और समाज दोनों के सामने गंभीर सवाल खड़े कर रही है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक ने बच्चों की उम्र के आधार पर सोशल मीडिया के उपयोग पर रोक लगाने की पहल कर एक नई बहस को जन्म दिया है। उद्देश्य स्पष्ट है- बढ़ते स्क्रीन टाइम, डिजिटल लत और इसके मानसिक प्रभावों से बच्चों को बचाना। लेकिन क्या प्रतिबंध वास्तव में समाधान है, या यह समस्या के जटिल स्वरूप को सरल बनाने की कोशिश भर है? आंध्र प्रदेश सरकार ने 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया तक पहुंच सीमित करने की बात कही है, जबकि कर्नाटक ने इससे आगे बढ़ते हुए 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए प्रतिबंध की दिशा में कदम उठाया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने बजट भाषण में बच्चों की मानसिक सेहत, सीखने की क्षमता और बढ़ती डिजिटल निर्भरता को चिंता का विषय बताया। वहीं आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने सोशल मीडिया के प्रति घटते भरोसे और बच्चों में इसकी बढ़ती लत को गंभीर समस्या बताया है। दरअसल, यह चिंता केवल राज्य सरकारों तक सीमित नहीं है। केंद्र सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण में भी डिजिटल लत को उभरती सामाजिक चुनौती के रूप में रेखांकित किया गया है। उसमें सुझाव दिया गया है कि ऑनलाइन शिक्षा के स्वरूप और इंटरनेट प्लेटफॉर्म तक आयु-आधारित पहुंच पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। यह संकेत देता है कि समस्या केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी है। दुनिया के कुछ देशों ने इस दिशा में कदम उठाए भी हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 2025 में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लागू किया, जबकि इंडोनेशिया ने भी इसी प्रकार की नीति अपनाई है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या किसी अन्य देश का मॉडल भारत के लिए स्वतः उपयुक्त हो सकता है? भारत की सामाजिक संरचना, पारिवारिक व्यवस्था और डिजिटल पहुंच की प्रकृति कई मायनों में अलग है। इसके अलावा यह भी सच है कि सोशल मीडिया केवल समस्या नहीं है। यह जानकारी, अभिव्यक्ति और सीखने का एक बड़ा मंच भी बन चुका है। अनेक बच्चे और युवा इसी माध्यम से नई संभावनाओं तक पहुंच रहे हैं। ऐसे में पूर्ण प्रतिबंध कहीं उस सकारात्मक संभावना को भी सीमित न कर दे, जो डिजिटल दुनिया प्रदान करती है। तकनीकी प्रतिबंधों को पार करना भी आज की पीढ़ी के लिए कठिन नहीं रह गया है। ऐसे में सवाल उठता है- क्या कानून बनाकर समस्या हल हो जाएगी, या समाज को डिजिटल अनुशासन की नई संस्कृति विकसित करनी होगी?

पुण्यतिथि पर विशेष

संभाजी राव : भारतीय संप्रभुता और सनातन को समर्पित जीवन दर्शन- डॉ. राघवेंद्र शर्मा

डॉ. राघवेंद्र शर्मा
मन की बात के प्रदेश संयोजक

11 मार्च का वह पावन दिवस मात्र कैलेंडर की एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय स्वाभिमान के उस प्रखर सूर्य के महाप्रयाण का दिन है, जिसने अपने रक्त की अंतिम बूंद से राष्ट्र की अस्मिता को सींचा था। धर्मवीर छत्रपति संभाजी महाराज का जीवन उस धधकती ज्वाला के समान है, जिसने औरंगजेब के अहंकार को राख में मिला दिया और हिंदवी साम्राज्य की नींव को वज्र जैसी अडिगता प्रदान की। शिवाजी महाराज के स्वर्गारोहण के पश्चात जब चारों ओर से संकट के बादल मंडरा रहे थे और मुगलिया सल्तनत की गिद्ध जैसी दृष्टि दक्षिण भारत को निगलने के लिए आतुर थी, तब शंभू राजा ने उस प्रलयंकारी तूफान के विरुद्ध अकेले खड़े होकर वह शौर्य गाथा लिखी, जिसे सुनकर आज भी कायरों की रूह कांप जाती है। उनका संघर्ष केवल राज्य की सीमाओं को बचाने का नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा का महायज्ञ था। अपने नौ वर्षों के संक्षिप्त किंतु अत्यंत तेजस्वी शासनकाल में उन्होंने मुगलों, सिद्दियों, पुर्तगालियों और अंग्रेजों जैसे शत्रुओं को एक साथ धूल चटाकर यह सिद्ध कर दिया कि शेर का शावक कभी झुकना नहीं जानता।

संभाजी महाराज का जीवन प्रतिकूलताओं की उस कसौटी पर कसा गया था, जहाँ साधारण मनुष्य टूट जाता है, परंतु वे निखरकर कुंदन बन गए। एक ओर औरंगजेब अपनी पूरी शक्ति, अपार धन और विशाल सेना के साथ दक्षिण को रौंदने आया था, तो दूसरी ओर स्वराज के भीतर छिपे गद्दारों और षड्यंत्रकारियों का जाल बिछा हुआ था। उन्हें अपनों के विश्वासघात और शत्रुओं के क्रूर आक्रमणों के बीच एक साथ युद्ध लड़ना पड़ा। आर्थिक तंगी, किलों की घेराबंदी और निरंतर सैन्य अभियानों के बावजूद उन्होंने एक भी किला मुगलों के हाथ नहीं लगने दिया। संभाजी महाराज ने युद्ध के मैदान में बिजली की गति से प्रहार किया और मुगलों की रसद काट दी, जिससे औरंगजेब जैसा क्रूर शासक भी वर्षों तक भटकने के लिए विवश हो गया। उनके जीवन का वह अंतिम अध्याय तो मनुष्यता के इतिहास में वीरता की पराकाष्ठा है। जब संगमेश्वर में विश्वासघात के कारण वे पकड़े गए, तो औरंगजेब ने उन्हें अपमानित करने और धर्म परिवर्तन कराने के लिए अमानवीय प्रताड़नाओं का सहारा लिया। उनकी आंखें निकाल ली गईं, जीभ काट दी गई, और खाल तक उधेड़ दी गई, किंतु उस महामानव के मुख से केवल 'नमो नमः शिवाय' और स्वधर्म के प्रति निष्ठा ही प्रकट हुई। उन्होंने मृत्यु को तो गले लगाया, लेकिन अपने स्वाभिमान और पूर्वजों के धर्म को आंच नहीं आने दी। उनकी शहादत ने पूरे महाराष्ट्र में वह ज्वाला प्रज्वलित की, जिसने अंततः मुगल साम्राज्य का अंत कर दिया।

संभाजी महाराज ने भारतीय इतिहास के समक्ष वह आदर्श स्थापित किया, जो सिखाता है कि राष्ट्र के लिए बलिदान होना किसी पराजय का नाम नहीं, बल्कि अमरता का मार्ग है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि जब सिद्धांत और प्राणों के बीच चुनाव करना हो, तो सिद्धांतों के लिए प्राणों की आहुति देना ही श्रेष्ठ है। उनके जीवन दर्शन से हमें यह सीख मिलती है कि शत्रु चाहे कितना भी बलवान क्यों न हो, यदि मन में दृढ़ निश्चय और धर्म के प्रति अटूट आस्था हो, तो उसे घुटने टेकने पर मजबूर किया जा सकता है। वे केवल एक योद्धा ही नहीं, बल्कि संस्कृत के प्रकांड विद्वान और प्रजावत्सल शासक भी थे। उन्होंने सिखाया कि ज्ञान और वीरता का संगम ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। आज के भारतीय नागरिकों को उनके जीवन से यह गंभीर पाठ पढ़ने की आवश्यकता है कि देश के भीतर पनपने वाली गद्दारी और फूट किसी भी बाहरी आक्रमणकारी से अधिक घातक होती है। इतिहास साक्षी है कि यदि संभाजी महाराज के साथ अपनों ने विश्वासघात न किया होता, तो भारत का चित्र कुछ और ही होता।

पुनः वैसी परिस्थितियां न आएं और हमें फिर किसी वीर योद्धा का बलिदान न देना पड़े, इसके लिए प्रत्येक भारतीय को कुछ कड़े संकल्प और ऐहतियातें बरतने की आवश्यकता है। सबसे महत्वपूर्ण है राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति अटूट निष्ठा। हमें जाति, पंथ और क्षेत्रीयता की उन दीवारों को ढहाना होगा जो हमें भीतर से खोखला करती हैं और बाहरी ताकतों को हस्तक्षेप का अवसर देती हैं। इतिहास का सबसे बड़ा सबक यही है कि जब-जब हम बंटे हैं, तब-तब हमें लूटा और प्रताड़ित किया गया है। आज के युग में वैचारिक युद्ध और छद्म वेश में छिपे शत्रुओं को पहचानना अनिवार्य है। हमें अपनी सुरक्षा व्यवस्था और सामरिक शक्ति को इतना सुदृढ़ करना होगा कि शत्रु हमारे विरुद्ध विचार करने से पहले भी सौ बार सोचे। स्वधर्म और स्वसंस्कृति के प्रति हीनभावना को त्यागकर गर्व के साथ अपनी जड़ों से जुड़ना ही संभाजी महाराज को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। नागरिक के रूप में हमें सतर्क रहना होगा कि कहीं हमारी व्यक्तिगत स्वार्थसिद्धि राष्ट्र के हितों से ऊपर न हो जाए। हमें भ्रष्टाचार और गद्दारी जैसी दीमकों को समाज से उखाड़ फेंकना होगा। संभाजी महाराज का रक्त हमारे भीतर इस चेतना का संचार करे कि भारत भूमि का प्रत्येक कण पवित्र है और इसकी रक्षा के लिए हमें सदैव तत्पर रहना है। जिस दिन हम सामूहिक रूप से यह संकल्प ले लेंगे कि 'राष्ट्र प्रथम', उस दिन कोई भी औरंगजेब इस पावन धरा की ओर आंख उठाकर देखने का दुस्साहस नहीं कर पाएगा। आइए, 11 मार्च को उस महान बलिदानी को नमन करते हुए हम अपने भीतर के राष्ट्रप्रेम को जागृत करें और एक ऐसे समर्थ भारत का निर्माण करें जो विश्व में अपनी वीरता और ज्ञान के लिए पुनः शिरोमणि बने। धर्मवीर संभाजी महाराज का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा, यदि हम उनके संघर्ष से सीख लेकर स्वयं को राष्ट्र के प्रति समर्पित कर दें। जय शिवाजी, जय शंभूराजे !

लेखक अनेक समाजसेवी और स्वयं सेवी संस्थाओं के केंद्र बिंदु हैं। वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के मध्य प्रदेश के संयोजक हैं। आपने विभिन्न विषयों पर केंद्रित अनेक साहित्यों का सृजन किया है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

धूम्रपान निषेध दिवस

सिगरेट-बीड़ी का हर एक कश, मौत के साथ एक खामोश समझौता

दिलीप कुमार पाठक
पत्रकार

हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को दुनिया भर में धूम्रपान के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को बीड़ी, सिगरेट की जानलेवा लत से बचाना और उन्हें एक स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। आज का दौर बेहद प्रतिस्पर्धात्मक है, जहाँ काम के बोझ और मानसिक तनाव के कारण लोग अक्सर नशे की शरण में चले जाते हैं। विशेषकर युवाओं के बीच धूम्रपान करना एक फैशन या दिखावे का जरिया बनता जा रहा है, जो कि गंभीर चिंता का विषय है। अक्सर दोस्त-यार के दबाव में आकर या केवल कौतूहलवश पहली बार सिगरेट को हाथ लगाया जाता है, लेकिन यह एक कश कब शरीर की मजबूरी बन जाता है, पता ही नहीं चलता। सिगरेट में मौजूद निकोटीन दिमाग को कुछ पल के लिए शांत करने का भ्रम पैदा करता है, जबकि वास्तविकता में यह शरीर के भीतर एक धीमा जहर घोलने का काम कर रहा होता है।

मेडिकल साइंस के अनुसार, तम्बाकू के सेवन से फेफड़ों का कैंसर होने का खतरा सबसे अधिक रहता है, क्योंकि इसका जहरीला धुआं सीधे साँस की नली में सूजन और संक्रमण पैदा करता है। केवल फेफड़े ही नहीं, बल्कि हृदय रोग, स्ट्रोक और उच्च रक्तचाप जैसी घातक बीमारियों के पीछे भी मुख्य कारण धूम्रपान ही पाया गया है। धूम्रपान का असर न केवल आंतरिक अंगों पर पड़ता है, बल्कि यह व्यक्ति की बाहरी सुंदरता और आत्मविश्वास को भी छीन लेता है। होंठों का काला पड़ना, दांतों का पीला होना और समय से पहले चेहरे पर झुर्रियां आना इसके स्पष्ट संकेत हैं। सबसे दुखद पहलू पैसिव स्मोकिंग है, जो उन निर्दोष लोगों को बीमार करती है जो खुद कभी धूम्रपान नहीं करते। जब कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थान, कार्यालय या घर के भीतर सिगरेट पीता है, तो वह धुआं हवा में घुलकर आसपास के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों की सांसों में जहर घोल देता है। घर के भीतर धूम्रपान करना अपने ही परिवार की सेहत के साथ खिलवाड़ करने जैसा है, जिससे बच्चों में अस्थमा और सांस की गंभीर बीमारियां पैदा हो सकती हैं। सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर कानूनी रोक लगाई है और विज्ञापनों के जरिए भी इसके खतरों को लगातार बताया जाता है, लेकिन असली बदलाव केवल कानून से नहीं, बल्कि व्यक्ति की अपनी मजबूत इच्छाशक्ति से ही संभव है।

यदि आप सिगरेट की इस बेड़ी को तोड़ना चाहते हैं, तो सबसे पहले स्वयं से एक सच्चा वादा करें और इसे छोड़ने की एक निश्चित तारीख तय करें। अपने आस-पास से लाइटर, माचिस और एश-ट्रे जैसी चीजें हटा दें जो आपको लत की याद दिलाती हों। अपने परिवार और उन मित्रों को अपने इस फैसले के बारे में जरूर बताएं जो आपकी परवाह करते हैं, क्योंकि उनका मानसिक समर्थन इस कठिन सफर में आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। जब भी सिगरेट पीने की तीव्र तलब महसूस हो, तो तुरंत अपना ध्यान कहीं और लगाएं, खूब पानी पिएं या कोई फल खाएं। सौंफ, इलायची या अदरक के टुकड़े पास रखना तलब को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। सुबह की सैर, हल्का व्यायाम और प्राणायाम फेफड़ों को नई शक्ति प्रदान करते हैं, जबकि ध्यान मानसिक तनाव को नियंत्रित करने में सहायक होता है। खाली समय में खुद को किसी रचनात्मक कार्य या अपनी पसंदीदा हॉबी में व्यस्त रखें ताकि सिगरेट का विचार मन में न आए।

धूम्रपान छोड़ने का एक और बड़ा फायदा आर्थिक बचत है; एक पैकेट सिगरेट की कीमत साल भर में एक बड़ी राशि बन जाती है, जिसे आप बेहतर भविष्य या परिवार की खुशियों के लिए निवेश कर सकते हैं। अच्छी खबर यह है कि जैसे ही आप सिगरेट छोड़ते हैं, शरीर खुद को रिपेयर करना शुरू कर देता है। मात्र 24 घंटे के भीतर शरीर से कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैस बाहर निकलने लगती है और हृदय गति सामान्य होने लगती है। कुछ ही हफ्तों में आपके स्वाद और सूंघने की शक्ति में सुधार आता है और एक साल बीतते-बीतते दिल की बीमारियों का खतरा आधा रह जाता है। हमारी हर सांस कीमती है और इसे धुएं में उड़ाना समझदारी नहीं है। आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम न केवल खुद तंबाकू से दूर रहेंगे, बल्कि अपने समाज को भी इस जहर के प्रति जागरूक करेंगे। एक नशामुक्त व्यक्ति ही एक ऊर्जावान, स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र की नींव रख सकता है। अपनी इच्छाशक्ति को पहचानें, धुएं के जाल को तोड़ें और एक लंबी व खुशहाल जिंदगी की ओर आज ही अपना पहला कदम बढ़ाएं। याद रखें, आपकी एक छोटी सी पहल न केवल आपकी उम्र बढ़ाएगी, बल्कि आपके अपनों के चेहरों पर मुस्कान भी लाएगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

निशाना

नर्तक जैसा नचा विदूषक..!

मनोज जैन 'मधुर'

नर्तक जैसा नचा विदूषक ,
ताक धिना धिन धिन।
माला पहने खड़ा मंच पर ,
माइक के आगे।
कविता सुनकर श्रोता सोते ,
सुन इसको जागे।
घोड़े जैसा हँसा विदूषक ,
हिनक-हिनक हिन-हिन।
माणिक वर्मा की शैली को ,
उड़ा लिया हँसकर।
पढ़ा चुटकुला छुटभैये ने ,
दो फब्ती कसकर।
गुड़-ढेली पर भिनकी मक्खी ,
भिनक-भिनक भिन-भिन।
मुख-मुद्राएँ बना-बनाकर ,
हँसा रहा सबको।
खुद को छोड़ दिखाता दर्पण ,
यह सारे जग को।
बाशरूम में खोल लिफ़ाफ़ा ,
खुश होता गिन-गिन।
रूप-रंग पर नज़र बराबर ,
रखता है पाजी।
घर में ठोकर खाता बाहर ,
जीत रहा बाजी।
गुब्बारे को नज़र लगे क्यों ,
चुभे न कोई पिन।
चूड़ी पायल बिछिया बिंदी ,
का दीवाना है।
चलता-फिरता आँखों में ,
इसकी मयखाना है।
याद सुहानी सता रही है ,
घड़ी-घड़ी पल-छिन।
करे मंच पर झूमा-झटकी ,
पूरा लगे नशेड़ी।
गश खाकर फिर गिरा मंच से ,
फटी पाँव की एड़ी।
घर घुसने से पहले ढूँढे ,
टिनोपाल औ' रिन।

हेल्थ अलर्ट

बढ़ रही है आंतों में सूजन की बीमारी, कुछ आदतें बदलने से मिल सकती है राहत

खानपान की गलत आदतें और लाइफस्टाइल में तेजी से आ रहे बदलाव के कारण एसिडिटी से लेकर आंतों में सूजन की समस्या बढ़ रही है। महिलाओं की बात करें तो कुछ विशिष्ट हार्मोनल परिवर्तनों के कारण उनमें में एसिडिटी से लेकर इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज (आईबीडी) से संबंधित हेल्थ प्रॉब्लम होने लगी हैं। सही लाइफस्टाइल, फूड हैबिट्स और रेगुलर वर्कआउट से इस हेल्थ प्रॉब्लम से बचा जा सकता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार, भारत में इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ये अब एक प्रमुख हेल्थ प्रॉब्लम बन गई है। मुख्य रूप से 20 से 40 आयु वर्ग के युवाओं को इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज प्रभावित कर रही है। आंतों में सूजन आमतौर पर एसिडिटी और गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज, इरिटेबल बाउल सिंड्रोम और इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज के कारण होती है। इस लेख में हम इनके कारण, लक्षण और उपाय बता रहे हैं।

लाइफस्टाइल और खानपान की आदतों में बदलाव करके आंतों की सूजन से बचा जा सकता है। एसिडिटी और गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स एक प्रमुख कारण है। खाली पेट बार-बार चाय या कॉफी का सेवन, तली-भुनी मसालेदार चीजों का अधिक सेवन और देर रात खाना खाने की आदत के कारण एसिडिटी की समस्या होती है। इससे सीने में जलन, खट्टी डकार और लगातार पेट फूलने की शिकायह होती है। सलाह दी जाती है कि भोजन के बाद 2 घंटे तक लेटने से बचें। खट्टे और कार्बोनेटेड ड्रिंक का सेवन कम करें। उपचार के लिए पैंटोप्रैजोल या रैबेप्रैजोल जैसे प्रोटॉन पंप इनहिबिटर (पीपीआई)। तत्काल राहत के लिए मैग्नीशियम या एल्यूमीनियम युक्त एंटासिड दिए जाते हैं। इरिटेबल बाउल सिंड्रोमः आईबीएस एक फंक्शनल डिसॉर्डर है, जिसका अर्थ है कि कोलोनोस्कोपी में आंत सामान्य दिखती है, लेकिन वह ठीक से काम नहीं करती।

इसका कारण- बदलती लाइफस्टाइल के चलते जीवन में फिजिकल एक्टिविटी घट रही है, तनाव बढ़ रहा है और भोजन में फाइबर की मात्रा कम हो रही है, जिसके कारण इरिटेबल बाउल सिंड्रोम के मामले बढ़ रहे हैं। इसमें पेट के निचले हिस्से में दर्द (अक्सर मल त्याग से राहत मिलती है), पेट फूलना और 'अधूरा मल त्याग जैसी समस्याएं इरिटेबल बाउल सिंड्रोम के लक्षण हैं।

इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज (आईबीडी): आईबीएस के विपरीत, आईबीडी (अल्सरेटिव कोलाइटिस और क्रोहन डिजीज) में सूजन और टिशू डैमेज शामिल है। भारत में क्रोहन डिजीज की तुलना में अल्सरेटिव कोलाइटिस अधिक आम है। भारतीय महिलाओं में एनीमिया का लक्षण पाया जाता है, जो अक्सर पीरियड्स में ब्लीडिंग और आयरन के अपर्याप्त अवशोषण से बढ़ जाता है।

यूजर्स गाइड

सिर्फ चार्जिंग के लिए नहीं होता पावर बैंक, इस्तेमाल की हैं ढेरों संभावनाएं

क्या आपको भी लगता है कि पावर बैंक का इस्तेमाल सिर्फ फोन या दूसरे डिवाइसेज को चार्ज करने के लिए होता है? अगर हां, तो आपको अंदाजा नहीं कि आपका पावर बैंक क्या-क्या काम कर सकता है। भले पावर बैंक बैटरी से लैस एक गैजेट हैं, जिसका इस्तेमाल दूसरे डिवाइस को चार्ज करने के लिए किया जाता है लेकिन इसका इस्तेमाल एक पावर सोर्स के तौर पर भी हो सकता है। जिस पल आप पावर बैंक को पावर सोर्स की तरह इस्तेमाल करना शुरू करते हैं, इसके इस्तेमाल की ढेरों संभावनाएं खुल जाती है। आपको जानकर शायद हैरानी हो कि आप चाहें तो पावर बैंक की मदद से यूएसबी फैन, लाइट और यहां तक कि सिक्योरिटी कैमरा तक चला सकते हैं।

पावर बैंक को बनाएं लैंपः पावर बैंक सिर्फ डिवाइस चार्ज करने के लिए नहीं होता। बाजार में यूएसबी लाइट्स मिल जाती हैं, जो आपके लिए नाइट लैंप के तौर पर काम आ सकती हैं। वहीं आप कैंपिंग के दौरान भी इसे लैंप बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं, तो एक पावरबैंक और यूएसबी लाइट के सेट को गाड़ी में भी रख सकते हैं। इसे आप जरूरत पड़ने पर इमरजेंसी लैंप के तौर पर भी इस्तेमाल कर पाएंगे। जिस तरह से बाजार में यूएसबी लाइट्स उपलब्ध हैं. वैसे ही आप मार्केट से यूएसबी फैन भी खरीद सकते हैं। इन्हें पावरबैंक में लगाकर आप ठंडी हवा खा सकते हैं। इन्हें काम करते हुए टेबल पर रखा जा सकता है या फिर किचन में गर्मी में चेहरे की ओर करके ठंडी हवा खाई जा सकती है। बाजार में ऐसी कई जैक्ट्स या दस्ताने मिल जाते हैं, जिन्हें अगर पावर बैंक से कनेक्ट कर दिया जाए, तो वह आपको ठंडक में गर्म रख सकते हैं। इनका इस्तेमाल आप बाइक राइडिंग के दौरान या ठंडे इलाकों में घूमते हुए कर सकते हैं।

पावर बैंक से रखें नजरः आज मार्केट में ऐसे कई सीसीटीवी कैमरा उपलब्ध हैं, जो कि यूएसबी के जरिए कनेक्ट हो जाते हैं। अगर आप किसी ऐसी जगह कैमरा इंस्टॉल करना चाह रहे हैं, जहां प्लग पास नहीं है, तो इस तरह के छोटे कैमरे आप पावर बैंक की मदद से भी चला सकते हैं। हालांकि इसके लिए हर दो से तीन दिन में आपको पावर बैंक चार्ज करना पड़ेगा लेकिन इमरजेंसी में और कुछ देर का काम निकालने के लिए पावरबैंक आपकी काफी मदद कर सकते हैं।

फोटोग्राफी में मददः अगर आप फोटोग्राफी करते हैं या रील्स बनाते हैं और आप लाइट्स पर खर्चा करने की सोच रहे हैं, तो बेहतर रहेगा कि आप यूएसबी वाली रिंग लाइट और पावर बैंक का कॉम्बो इस्तेमाल करें। इसके जरिए आप बेहतर लाइट्स के साथ वीडियो कॉल, फोटोग्राफी या रील्स बना सकते हैं। इस तरह पावर बैंक एक पावर सोर्स के तौर पर इस्तेमाल किया जाए, तो डिवाइस चार्ज करने से ज्यादा बहुत कुछ कर सकता है।

नॉलेज

मिडिल ईस्ट में ऊंट के मांस की है ख़ास डिमांड, विशेष अवसरों पर पकता है 'लहम जमल'

दुनिया भर में नॉनवेज खाने की इतनी डिश मिलती हैं कि कई तरह के मांस के नाम लोगों को पता ही नहीं होते। भारत में भी ज्यादातर लोग नॉनवेज के रूप में अंडा, मछली, चिकन, मटन, प्रॉन या तीतर-बटेर जैसी कुछ ही चीजों से परिचित हैं। वहीं दुनिया के अलग-अलग देशों में कई तरह के जानवरों का मांस बड़े शौक से खाया जाता है। हालांकि कुछ मांस ऐसे भी हैं जो कुछ देशों में प्रतिबंधित होते हैं। उदाहरण के लिए पोर्क यानी सूअर का मांस कई पश्चिमी देशों में पसंद किया जाता है, लेकिन खाड़ी देशों जैसे सऊदी अरब, दुबई और कतर में यह पूरी तरह बैन है। वहीं सऊदी अरब में भेड़, बकरी, बीफ और खासकर ऊंट का मांस काफी पसंद किया जाता है। कई लोगों को यह नहीं पता कि दुबई में ऊंट के मांस को किस नाम से पुकारा जाता है।

खाड़ी देशों जैसे सऊदी अरब और दुबई में ऊंट का मांस खास मौकों पर पकाया जाता है आमतौर पर शादी-विवाह, पारंपरिक समारोह या बड़े सामूहिक आयोजनों में इसे बनाया जाता है, जहां लोग एक साथ बैठकर इसका आनंद लेते हैं। समय के साथ यह वहां की सामाजिक और खानपान संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। मिडिल ईस्ट और अफ्रीका के कई देशों में ऊंट के मांस से कई तरह की डिशेज तैयार की जाती हैं। इनमें बिरयानी, मांदी, ऊंट कड़ाही, कोरमा, निहारी और कीमा जैसी लोकप्रिय रेसिपी शामिल हैं। कहा जाता है कि ऊंट का मांस हल्का मीठा स्वाद लिए होता है और यह पौष्टिक होने के साथ काफी गाढ़ा भी माना जाता है।

कहा जाता है, कि दुबई में ऊंट के मांस को 'लहम जमल' कहा जाता है। अरबी भाषा में 'लहम' का मतलब मांस और 'जमल' का मतलब ऊंट होता है। सोशल मीडिया पर भी कई पोस्ट में ऊंट के मांस को इसी नाम से संबोधित किया गया है।

लहम जमल नाम की इस अरबी डिश को खास तरीके से तैयार किया जाता है। पहले मांस को हल्का भून लिया जाता है, फिर इसे प्याज, लहसुन और सूखे नींबू के साथ धीमी आंच पर पकाया जाता है। तैयार होने के बाद इसे मसालेदार चावल के साथ गर्मागर्म परोसा जाता है, जो मिडिल ईस्ट में काफी पसंद किया जाता है।

न्यूज विंडो

एलपीजी गैस से भरे टैंकर को ट्रक ने मारी टक्कर, गैस लीक

गुना। जिला मुख्यालय से करीब 8 किलोमीटर दूर नेशनल हाइवे पर गादेर घाटी के पास मंगलवार सुबह करीब 6.30 बजे एलपीजी गैस से भरे टैंकर को पीछे से आ रहे ट्रक ने ओवरटेक के दौरान टक्कर मार दी। टक्कर से टैंकर का वाल्व क्षतिग्रस्त हो गया और गैस का रिसाव होने लगा। चालक ने टैंकर को रोककर तत्काल गैस प्लांट और डायल-112 पर सूचना दी। इसके तुरंत बाद रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लिया। जानकारी के मुताबिक गैस टैंकर विजयपुर स्थित बॉटलिंग प्लांट से एलपीजी भरकर बनारस जा रहा था। जैसे ही टैंकर गादेर घाटी के पास पहुंचा तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने ओवरटेक के प्रयास में टैंकर में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वॉल्व टूटते ही गैस का रिवास होने लगा। स्थिति की गंभीरता देखते हुए टैंकर चालक शैलेंद्र सिंह ने तुरंत गैल प्लांट को सूचना दी। इसके बाद गैल की रेस्क्यू टीम और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई। सबसे पहले गैस के रिसाव को रोका गया। इसके बाद टैंकर को वापस प्लांट भेज दिया गया। वहीं, पुलिस टक्कर मारने वाले ट्रक की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

रायसेन जिले के बाड़ी थाना क्षेत्र की घटना, आरोपी गिरफ्तार, पड़ताल जारी

पड़ोसी ने की सोती हुई महिला की कुल्हाड़ी से हत्या भतीजे पर भी किए थे वार, वजह तलाश रही पुलिस

रायसेन। दोपहर मेट्रो

जिले के बाड़ी थाना क्षेत्र में एक महिला की सोते समय कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या करने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस सनसनीखेज वारदात में शामिल आरोपी पड़ोसी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में महिला का भतीजा भी घायल हुआ था, जिस पर भी आरोपी ने हमला किया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

पुलिस के अनुसार यह घटना 1 मार्च की दरमियानी रात को बाड़ी थाना क्षेत्र के पाल मोहल्ला इलाके में हुई थी। बताया जा रहा है कि कांतिबाई पाल अपने घर में सो रही थीं। उसी दौरान आरोपी ने घर में घुसकर उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले के दौरान उनके पास सो रहे भतीजे चिंतेश पाल को भी निशाना बनाया गया और उसके मुंह पर वार किया गया। हमले में कांतिबाई पाल के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आईं। गंभीर रूप से घायल होने के कारण उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं भतीजे चिंतेश पाल का इलाज कराया गया और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई। घटना के बाद घायल चिंतेश पाल की रिपोर्ट पर बाड़ी थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। बाद में कांतिबाई की मौत होने के बाद प्रकरण में हत्या की धारा भी जोड़ी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए रायसेन पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देश पर आरोपी की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई।

थाना प्रभारी बाड़ी निरीक्षक राजेश तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने कई संदिग्धों से पूछताछ की और क्षेत्र में सक्रिय मुखबिरों को भी लगाया गया। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि घटना में शामिल आरोपी बाड़ी क्षेत्र में देखा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी देवीराम पाल पिता धनराज पाल (60 वर्ष), निवासी वार्ड नंबर 8 पाल मोहल्ला बाड़ी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे एक दुकान के बाहर से पकड़ा। पूछताछ के दौरान आरोपी से घटना में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय बरेली में पेश किया, जहां से आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी देवीराम पाल के खिलाफ पहले भी हत्या और मारपीट जैसे गंभीर अपराधों के मामले दर्ज हैं। हालांकि अभी तक महिला की हत्या के पीछे का स्पष्ट कारण सामने नहीं आ पाया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और हत्या के पीछे की वजह का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

हनुमान मंदिर परिसर में बना चिकन, मेकर्स पर भड़के लोग

सीहोर। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के सीहोर जिले के इछावर नगर में वेब सीरीज फौजी की शूटिंग चल रही है। मिल्म मेकर टीम बस स्टैंड के पास एक हनुमान मंदिर परिसर में रुकी है। सोमवार को मंदिर परिसर में फिल्म मेकर टीम की ओर से मांसाहारी भोजन बनाया गया, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया। फिल्म मेकर टीम पिछले तीन दिन से मंदिर परिसर में रुकी हुई है। हनुमान मंदिर परिसर में मांसाहारी भोजन बनाने का पता चलते ही बजरंग दल कार्यकर्ताओं मौके पर पहुंच गए। शूटिंग टीम को भोजन में अंडा और मांस परोसा जा रहा है, जिसे देखकर बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने विरोध शुरू कर दिया। बजरंग दल के सौरभ मकरेया ने बताया कि मंदिर परिसर में रुकी फिल्म मेकर टीम के लिए मांसाहारी भोजन बनाया जा रहा है। सूचना मिलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि मौके पर अंडे और चिकन की सब्जी विरोध दर्ज कराया और टीम के लोगों को अपनी आपत्ति से अवगत कराया। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि मंदिर परिसर में मांसाहारी भोजन बनाना और खाना हिंदू धर्म की आस्थाओं के खिलाफ है। उनका कहना है कि जिस परिसर में मंदिर स्थित है, वहां इस तरह का भोजन बनाना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने जैसा है।

शूटिंग के कारण प्रभावित हो रही है दुकानदारी

कार्यकर्ताओं का कहना है कि इससे मंदिर परिसर की पवित्रता भी प्रभावित होती है और यह हिंदू धर्म की आस्थाओं के साथ खिलवाड़ है। शूटिंग के लिए फिल्म मेकर टीम ने पूरे बस स्टैंड परिसर को रस्सी बांधकर बंद कर दिया है। इस वजह से वहां स्थित सब्जी, फल और अन्य दुकानों पर आने वाले ग्राहकों की संख्या कम हो गई है। दुकानदारों का कहना है कि इससे उनका व्यापार प्रभावित हो रहा है और रोजी-रोटी पर असर पड़ रहा है।

मेकर्स ने जारी किया बयान

इस मामले में वेब सीरीज मेकर्स टीम का कहना है कि यूनिट के एक अधिकारी मुंबई से आए थे। उन्हीं की मांग पर मांसाहारी भोजन बनवाया गया था। बजरंग दल के विरोध के बाद अब परिसर में इस तरह का भोजन नहीं बनाया जाएगा।

150 तीर्थयात्रियों का एक दल रामेश्वर के लिए रवाना

पांढुर्णा। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत पांढुर्णा जिले से लगभग 150 वरिष्ठ तीर्थयात्रियों का एक दल मंगलवार की शाम को रामेश्वरम के लिए रवाना हुआ। यह दल पांढुर्णा रेलवे स्टेशन से विशेष ट्रेन द्वारा यात्रा पर निकला। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने यात्रियों का स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। स्टेशन परिसर में यात्रियों और उनके परिजनों के बीच उत्साह का माहौल देखा गया।

दो हादसों में 3 की मौत, महिला समेत 2 को बस ने रौंदा, कार दुर्घटना में व्यापारी के बेटे की जान गई

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

दो अलग-अलग हादसों में गत दिवस को मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के 3 लोगों की मौत हो गई। पहला एनएच-52 स्थित पीपलबे आश्रम के पास हुआ, जिसमें एक तेज रफ्तार बस ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, दूसरा हादसा अशोकनगर के पास हुआ, जिसमें शादी में शामिल होने जा रहे ब्यावरा के रहने वाले एक व्यापारी के बेटे की मौत हो गई। वहीं, उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल है। दोनों ही मामलों में तेज गति और टक्कर मारने वालों वाहन चालकों की लापरवाही सामने आई है।

एनएच-52 स्थित पीपलबे आश्रम के पास मंगलवार दोपहर 3.30 बजे के करीब हादसा हुआ, जिसमें राजगढ़ की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बस ने सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि महिला बाइक से दूर उछलकर जा गिरी। वहीं, चालक का सिर में गंभीर चोंटे आने से मौके पर ही दम तोड़ दिया। महिला की भी अस्पताल लाते समय उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना में कैलाश पिता बाबूलाल वर्मा (55) और उनके बड़े भाई की पत्नी भगवती बाई पति नन्नूलाल वर्मा (58) दोनों निवासी झाड़ला नरसिंहगढ़ की मौत हुई है। सूचना पर पहुंची देहात पुलिस और एंबुलेंस की मदद से दोनों को सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां दोनों का देर शाम पीएम कर परिजनों को सौंप दिया गया। परिजन ने बताया कि, मृतक मजदूरी कर घर चलाते थे। कैलाश के चार बच्चे हैं। ऐसे में अब परिवार पालने का संकट खड़ा हो गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नईसराय-शाढ़ोरा रोड पर बाइकों के बीच हुई भिड़ंत में दो की मौत

ब्यावरा के एक व्यापारी परिवार के बेटे की अशोकनगर के पास हादसे में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, हादसा मंगलवार को नईसराय-शाढोरा रोड पर हुई है, जिसमें ब्यावरा के वैभव जैन पिता बाबूलाल (36) की मौत हुई है। बताया जा रहा है कि वैभव कोलारस के अपनी पत्नि की बहन की शादी में कार से दुल्हन सहित ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के साथ गंजबासौदा जा रहे थे। तभी सामने से बोलेरो से भिड़ंत हो गई। जिसमें वैभव की मौके पर मौत हो गई। जबकि कार में सवार दुल्हन और वैभव की पत्नि सहित करीब छह अन्य लोग गंभीर घायल हुए है। आसपास के लोगों ने घायलों को अशोकनगर अस्पताल पहुंचाया। जहां से दुल्हन साक्षी जैन (26) सहित दो लोगों को रेफर कर दिया गया।

दिल्ली में तरुण खटीक की निर्मम हत्या पर भड़का आक्रोश, दोषियों को जल्द मिले फांसी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

दिल्ली में तरुण खटीक की कथित रूप से हुई निर्मम हत्या को लेकर खटीक समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। इस मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए फांसी की सजा देने तथा मृतक के परिवार को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग को लेकर खटीक समाज गंजबासौदा द्वारा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा गया है। ज्ञापन से पहले सभी खटीक समाज के लोग एकत्रित होकर नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचे जहां एक ज्ञापन दिया जिसमें बताया गया कि हाल ही में दिल्ली में होली के दौरान एक बच्ची से मुस्लिम महिला पर गलती से रंग पड़ जाने की बात को लेकर विवाद खड़ा हो गया।

आरोप है कि इसके बाद कुछ लोगों ने युवक के साथ मारपीट की और उसे जबरन एक गली में बने कमरे में ले जाकर बेरहमी से पीटा। मारपीट के दौरान उसे बाहर लाकर भी पीटा गया, जिससे उसकी मौत हो गई। समाज के लोगों का आरोप है कि इस घटना को सुनियोजित साजिश के तहत अंजाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि एक छोटे से विवाद को लेकर जिस तरह से युवक की पीट-पीटकर हत्या की गई, वह बेहद निंदनीय और दुखद है। खटीक समाज के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति से मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। साथ ही मृतक तरुण खटीक के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देकर आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। समाज के लोगों ने कहा कि यदि इस प्रकार की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो समाज में असुरक्षा की भावना बढ़ेगी। इसलिए दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाना आवश्यक है।

नरसिंहपुर-सागर नेशनल हाईवे पर देर रात तेंदुए का शव मिला

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर-सागर नेशनल हाईवे 44 पर झिराघाटी के समीप देर रात एक तेंदुए का शव मिला है। तेंदुआ सड़क की उस लेन पर पड़ा था, जो सागर से नरसिंहपुर की ओर जाती है। घटना की सूचना डायल 112 के जरिए पुलिस को दी गई। जिसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। सुआतला थाना प्रभारी प्रियंका केवट ने बताया कि डायल 112 पर सूचना मिली थी कि झिराघाटी के पास किसी एक्सीडेंट में एक चीता घायल हो गया है। जब पुलिस की टीम वहां पहुंची, तो पता चला कि वह एक तेंदुआ था और उसकी मौत हो चुकी थी। इसके तुरंत बाद वन विभाग को जानकारी दी गई।

मेट्रो एंकर

समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए तीन साल बाद ढाई गुना किसानों ने पंजीयन कराया

अंतिम दिन 6 हजार किसानों ने कराया पंजीयन, 38 हजार का रजिस्ट्रेशन

खंडवा। दोपहर मेट्रो

समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए तीन साल बाद ढाई गुना किसानों ने पंजीयन कराया है। 16 मार्च से उपार्जन केंद्रों पर शुरु होगी तौल, अभी तक गोदाम स्तरीय केंद्र तय नहीं है। किसान पंजीयन की तिथि 20 मार्च तक किए जाने की मांग कर रहे हैं। समर्थन मूल्य पर इस बार उपज बेचने के लिए 38 हजार 224 किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। जो पिछले साल की तुलना में 23 हजार अधिक किसान समर्थन मूल्य पर उपज बेचने के लिए आगे आएं हैं। मंगलवार को अंतिम दिन केंद्रों पर 6 हजार से अधिक अन्नदाताओं ने पंजीयन कराया है। जबकि पिछले तीन सालों में उपार्जन की स्थिति बेहद खराब रही। इस पर उम्मीद है कि गेहूं का बंपर उत्पादन होगा। इस लिए पंजीयन ढाई गुना अधिक हुआ है।

अफसरों को फीडबैक मिला है कि केंद्रों पर डेढ़ लाख मीट्रिक टन गेहूं तौल होने की उम्मीद है। पिछले साल 50 हजार टन तौल हुई थी। सहायक जिला आपूर्ति अधिकारी अमित सिंह चौहान का कहना है कि इस पर किसानों ने पंजीयन में रूचि दिखाई है। उम्मीद है कि गेहूं की अच्छी मात्रा में तौल होगी। शासन की गाइड लाइन पर केंद्रों पर तौल की व्यवस्था बनाई जा रही है। पंजीयन की तिथि मंगलवार की शाम तक बढ़ाए जाने की सूचना नहीं है। कुछ किसानों ने तिथि 20 मार्च तक बढ़ाए जाने की मांग की है। शासन से आदेश आने पर किसानों इसकी सूचना दी जाएगी।

चना बेचने दस हजार से अधिक किसानों का पंजीयन

चालू सीजन में गेहूं में ही नहीं बल्कि इस पर चना बेचने के लिए दस हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है। रिपोर्ट के अनुसार 35 हजार 139 किसानों ने गेहूं बेचने और 10 हजार 111 किसानों ने चना और 359 किसानों ने सरसों बेचने के लिए पंजीयन कराया है।

जंगली जानवर के हमले से महिला व युवती गंभीर घायल, भर्ती

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

गर्मियों का मौसम शुरू होते ही जंगल में रहने वाले जानवर भूख-प्यास व पानी की तलाश में जंगलों से बाहर निकलकर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवेश कर रहे हैं और लोगों पर हमला कर घायल कर रहे हैं। ऐसा ही मामला वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व से सामने आया है, जहां टाइगर रिजर्व की झापन गेम परिक्षेत्र के अंतर्गत एक ग्राम में लड़ाईयां ने घर में घुसकर दो लोगों पर हमला कर घायल कर दिया है। जिन्हें परिजनों गंभीर हालत में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां पर घायलों का इलाज चल रहा है।

मामला झापन रेंज के सोमखेड़ा गांव का है जहां पर घर के बाहर जंगली जानवर (लड़ईयां) ने दो लोगों पर हमला कर दिया। जिसमें एक महिला और युवती घायल हो गई है। दोनों घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों के द्वारा उनका इलाज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सोमखेड़ा निवासी निधि पिता सीताराम पटेल उम्र 19 वर्ष और 48 वर्षीय सुशील पति प्रेम सिंह निवासी सोमखेड़ा दोनो लोगों के घर में घुसकर लड़इया ने हमला कर घायल कर दिया। दोनों ने अपना बचाव किया जिससे जंगली जानवर ने उनके हांथ में कई जगह काट लिया है घटना उस समय हुई जब दोनों पड़ोसी घर में अकेले काम कर रही थी। आवाज सुनकर परिजन घर के अंदर पहुंचे तो लड़इया भाग निकला। दोनों घायलों को इलाज के लिये जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहीं घटना की सूचना वन विभाग को दी गई।

बरतें सावधानी

घटना की सूचना मिलते ही दमोह रेंजर विक्रम चौधरी ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों से घटना की जानकारी ली उन्होंने बताया की घटना टाइगर रिजर्व के झापन रेंज के सोमखेड़ा गांव में हुई है। घायल अस्पताल पहुंचे तो वह भी अपने स्टाफ के साथ घायलों से मिलने पहुंचे। उनसे घटना की जानकारी लेने के बाद इसकी सूचना झापन रेंज की टीम व टाइगर रिजर्व प्रबंधन को दी गई है। वहीं दमोह रेंजर विक्रम सिंह ने लोगों से अपील की है कि गर्मियों का सीजन शुरू हो चुका है। अब जंगल में रहने वाले जानवर पानी की तलाश में जंगलों से बाहर निकलकर गांवों में पहुंचते हैं। लोग सावधानी बरतें अपने घरों के दरवाजे बंद रखें साथ ही सावधान रहें यदि ऐसा कोई भी जानवर आसपास देखता है तो उसकी सूचना वन विभाग को दे।

न्यूज विंडो

धार में पुराने नोट के बदले लाखों का लालच, महिला से 68 हजार की ठगी

धार। पुराने नोटों की खरीदी के नाम पर एक महिला से 5 रुपये के पुराने नोट के बदले लाखों रुपये पाने के लालच में 68 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने न केवल महिला के साथ धोखाधड़ी की बल्कि अब उसे धमका भी रहे हैं। जानकारी के अनुसार, धार निवासी पीड़ित महिला ने इंस्टाग्राम पर एक विज्ञापन स्टोरी देखी थी इसमें दावा किया गया था कि यदि किसी के पास 5 रुपये का पुराना नोट है, तो कंपनी उसके बदले लाखों रुपये देगी। विज्ञापन के झांसे में आकर महिला ने उसमें दिए गए नंबरों पर संपर्क किया। ठगों ने बड़ी ही चतुराई से महिला को अपनी बातों में फंसाया और अलग-अलग प्रक्रियाओं के नाम पर पैसे ऐंठना शुरू कर दिया। ठगों ने सबसे पहले महिला से 500 रुपये जमा करवाए गए। इसके बाद आईडी बनाने के नाम पर 5 हजार रुपये लिए गए।बनी हुई आईडी को एक्टिव करने के लिए फिर से 5 हजार रुपये मांगे गए।महिला ठगों के बुने जाल में इस कदर फंस गई कि उसने किस्तों में कुल 68 हजार रुपये आरोपियों के खातों में ट्रांसफर कर दिए। जब काफी समय बीत जाने के बाद भी महिला को पुराने नोट के बदले कोई राशि नहीं मिली, तो उसने अपने पैसे वापस मांगे। इस पर आरोपियों ने पैसे देने के बजाय और अधिक राशि की मांग शुरू कर दी। महिला ने जब उनकी शिकायत पुलिस को करने की बात कही तो ठगों ने महिला को पुलिस में शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। पीड़िता ने कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायती आवेदन दिया है। कोतवाली पुलिस ने आवेदन को साइबर शाखा में ट्रांसफर कर दिया है। फिलहाल साइबर टीम उन बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की जांच कर रही है, जिनके जरिए इस ठगी को अंजाम दिया गया।

पुलिस ने एक साल के लिए निष्कासित जिलाबदर बदमाश को किया गिरफ्तार

धार। कोतवाली पुलिस शहर के कुख्यात जिलाबदर बदमाश रवि पिता दिलीप खराड़ी को आदेश का उल्लंघन कर जिले की सीमा में प्रवेश करने पर गिरफ्तार किया है। आरोपी मारपीट, छेड़छाड, हत्या के प्रयास जैसे 8 गंभीर अपराधों में संलि?त था जिसे 14 जनवरी को जिलाबदर किया गया था। आरोपी रवि खराड़ी (30 वर्ष), निवासी गंजीखाना एक आदतन अपराधी है। वर्ष 2011 से वह लगातार मारपीट, जान से मारने की धमकी, छेड़छाड़ और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर अपराधों में संलिप्त रहा है। उसके विरुद्ध कुल 8 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। जिला दण्डाधिकारी धार ने 14 जनवरी 2026 को उसे एक वर्ष के लिए जिला धार सहित इंदौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, बड़वानी, खरगोन और अलीराजपुर की सीमाओं से बाहर रहने का निष्कासन आदेश जारी किया था। पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि रवि खराड़ी जेल रोड और आरटीओ के बीच नाले के पास देखा गया है। नगर पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा के नेतृत्व में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक दीपक सिंह चौहान की टीम ने तत्काल दबिश देकर घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी जिले में प्रवेश की कोई वैध अनुमति पेश नहीं कर सका। जिला दण्डाधिकारी के आदेश का उल्लंघन करने पर पुलिस ने उसके विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। उक?त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक दीपक सिंह चौहान, दिलीप चौहान, प्रधान आरक्षक रामसिंह कोसरा और आरक्षक राहुल मण्डलोई का विशेष योगदान रहा।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या कई पन्नों का सुसाइड नोट छोड़ा, जांच शुरू

धार। शहर की अर्जुन कॉलोनी में एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान शारदा के रूप में हुई है, जो पाटीदार चौराहे स्थित एक निजी क्लिनिक में कार्य करती थी। आत्महत्या से पहले युवती ने एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उसने महेश प्रजापत नामक युवक पर जिंदगी बर्बाद करने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार दोपहर करीब साढे 12 बजे शारदा घर पर अपने भाई के बच्चों के साथ खेल रही थी। कुछ देर बाद जब बच्चों के रोने की आवाज आई, तो उसकी भाभी कमरे में पहुंची। वहां शारदा फांसी के फंदे पर झूल रही थी। आनन-फानन में पड़ोसियों की मदद से उसे जिला अस्पताल ले जाया गयाजहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस को मौके से कई पन्नों का सुसाइड नोट मिला है। सुसाडट नोट में शारदा ने बताया कि और महेश की उसकी मुलाकात इंस्टाग्राम पर हुई थी। दोनों अलग जाति के थे, फिर भी 4 साल तक रिलेशनशिप में रहे। जब शारदा के परिजनों ने उसके लिए रिश्ता ढूंढा, तो पहले महेश ने शादी से इनकार कर दिया। लेकिन जैसे ही शारदा ने दूसरी जगह हां की, महेश ने उसे वहां मना करने का दबाव बनाया और खुद 2-3 साल में शादी करने का वादा किया। महेश के वादे पर भरोसा कर शारदा ने अपना तय हो चुका रिश्ता तोड़ दिया, लेकिन बाद में महेश फिर से अपनी बात से मुकर गया। आत्महत्या से पहले शारदा ने फंदे के साथ अपनी एक फोटो खींची और उसे महेश को सेंड किया था। परिजनों ने बताया कि शारदा के मोबाइल में मिली व्हाट्सएप चैट और सुसाइड नोट की बातें हूबहू एक जैसी हैं। चैट में दोनों के फोटो और वीडियो भी मिले हैं साथ चैटिंग में भी शारदा महेश से ऐसी ही बात कर रही है जैसी उसने सुसाइड नोट में लिखी थी।

भेड़ा गांव के पास हुआ हादसा: यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

मैहर NH-30 पर बड़ा हादसा टला: चिंगारी से धधकी बस, मिनटों में जलकर हुई खाक

मैहर। दोपहर मेट्रो

जिले में नेशनल हाईवे-30 पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक चलती स्लीपर बस अचानक आग का गोला बन गई। बस में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। राहत की बात यह रही कि सभी यात्रियों ने समय रहते बस से बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली और इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार घटना नादन थाना क्षेत्र के भेड़ा गांव के पास नेशनल हाईवे-30 पर हुई। जय भवानी ट्रेवल्स की स्लीपर बस 9 मार्च 2026 को रीवा से इंदौर के लिए रवाना हुई थी। बताया जा रहा है कि रास्ते में कटनी के पास बस अचानक खराब हो गई थी। इसके बाद बस को मरम्मत के लिए रोका गया और तकनीकी सुधार के बाद दोबारा रवाना किया गया।मरम्मत के बाद बस रीवा की ओर लौट रही थी। इसी दौरान बस जब भेड़ा गांव के पास पहुंची तो बस के अगले हिस्से से अचानक चिंगारियां उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और कुछ ही मिनटों में पूरी बस आग की लपटों में घिर गई। घटना के दौरान बस चालक और कंडक्टर ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती गई। लपटें बढ़ती देख यात्रियों में घबराहट फैल गई। स्थिति गंभीर होते देख चालक ने तुरंत बस रोक दी और सभी यात्रियों को बाहर निकलने के लिए कहा। यात्रियों ने समय रहते बस से कूदकर अपनी जान बचा ली। देखते ही देखते पूरी बस धू-धू कर जलने लगी। घटना की सूचना तत्काल डायल-112 के माध्यम से पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई। सूचना मिलते ही नादन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात डायवर्ट कराया गया, ताकि कोई अन्य दुर्घटना न हो। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

कुछ समय तक बाधित रहा हाईवे का यातायात

बस में आग लगने की घटना के कारण नेशनल हाईवे-30 पर कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और धीरे-धीरे यातायात सामान्य कराया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर बस में तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा। गनीमत रही कि बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं, अन्यथा यह घटना बड़ा हादसा बन सकती थी।

तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार दंपती को कुचला, मौके पर दोनों की मौत; चालक फरार

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले के बुढार थाना क्षेत्र अंतर्गत चौकी केशवाही के ग्राम पडरिया में मंगलवार रात करीब 8 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार महिला और पुरुष को कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक सवार दंपती अपने घर की ओर जा रहे थे, तभी अचानक पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे एक पिकअप वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों सड़क पर गिर गए और वाहन उन्हें कुचलते हुए मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही चौकी केशवाही पुलिस और बुढार थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के कारण कुछ देर के लिए मार्ग पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोगों की भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसा एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन की वजह से हुआ है, जो टक्कर मारने के बाद चालक सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों और अन्य थानों को भी अज्ञात वाहन की जानकारी दे दी है ताकि उसे जल्द से जल्द पकड़ा जा सके। बताया जा रहा है कि मृतक महिला और पुरुष पति-पत्नी थे और पास के ही गांव के रहने वाले थे। दोनों किसी काम से बाहर गए थे और बाइक से घर लौट रहे थे, तभी यह दर्दनाक हादसा हो गया। पुलिस का कहना है कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

अस्पताल में तड़पती नवजात, माता-पिता गायब

दतिया। दोपहर मेट्रो

जिला अस्पताल से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने मानवता और पारिवारिक जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां विशेष नवजात देखभाल इकाई (एसएनसीयू) वार्ड में भर्ती करीब दो सप्ताह की एक मासूम बच्ची पिछले पांच दिनों से डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के भरोसे जिंदगी और मौत से जूझ रही है। हैरानी की बात यह है कि बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद उसके माता-पिता उसे देखने तक नहीं लौटे।

जानकारी के अनुसार बच्ची का जन्म 24 फरवरी को हुआ था। जन्म के कुछ दिनों बाद उसकी तबीयत अचानक खराब हो गई। इसके बाद 4 मार्च को उसके पिता आशीष और मां संध्या बच्ची को लेकर दतिया जिला अस्पताल पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने बच्ची की हालत गंभीर देखते हुए उसे तुरंत एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कर लिया। लेकिन बच्ची को भर्ती कराने के बाद उसके माता-पिता अस्पताल स्टाफ को बिना कोई सूचना दिए वहां से चले गए। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक उस दिन के बाद से अब तक बच्ची को देखने के लिए न तो उसके माता-पिता और न ही परिवार का कोई अन्य सदस्य अस्पताल पहुंचा है। बच्ची की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज लगातार डॉक्टरों की निगरानी में किया जा रहा है। जब कई दिन बीत जाने के बाद भी बच्ची के परिजन अस्पताल नहीं पहुंचे तो अस्पताल प्रबंधन ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की। अस्पताल स्टाफ ने माता-पिता के दिए गए मोबाइल नंबरों पर कई बार फोन लगाए, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने पूरे मामले की जानकारी पुलिस को भी दे दी है, ताकि बच्ची के परिजनों का पता लगाया जा सके।दतिया जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. आर.के. राठौर ने बताया कि बच्ची को गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था, जिसके बाद उसे तुरंत एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया।

मेट्रो एंकर

खाड़ी देशों में तनाव से केला निर्यात ठप

2200 रुपए क्विंटल से गिरकर 1200 रुपए तक पहुंचे भाव

बडवानी। दोपहर मेट्रो

बड़वानी का प्रसिद्ध केला निर्यात ठप होने से किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। मध्य-पूर्व में युद्ध के कारण मुंबई पोर्ट पर सैकड़ों कंटेनर फंसे हैं, जिससे कीमतें 22-25 रुपये से गिरकर 8-9 रुपये प्रति किलो रह गईं। मांग कम होने से किसानों को लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है।

बड़वानी का केला अपनी मिठास और गुणवत्ता के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध है। यहां से हर वर्ष बड़ी मात्रा में केला ईरान, इराक, इजरायल, बहरीन, तुर्की और दुबई सहित कई मध्य-पूर्वी देशों में निर्यात होता है। नर्मदा किनारे की उपजाऊ भूमि और नदी के पानी से होने वाली खेती के कारण यहां के केले का स्वाद और आकार विशेष माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय हालात का सीधा असर अब किसानों की आय पर पड़ रहा है। रमजान के महीने में सामान्यतः केले की मांग बढ़ जाती है, लेकिन इस बार बाजार में मांग कमजोर बताई जा रही है। किसान महेश राठौड़ ने बताया कि उन्होंने छह एकड़ जमीन में केले की फसल लगाई, जिस पर प्रति एकड़ 85 से 90 हजार रुपए खर्च आए और कुल लागत पांच लाख रुपए से अधिक हो गई। कुछ समय पहले तक केले का भाव 22 से 25 रुपए प्रति किलोग्राम मिल रहा था, जो अब घटकर 8 से 9 रुपए प्रति किलोग्राम रह गया है। बलराम यादव ने बताया कि फसल तैयार होने के बावजूद उचित भाव नहीं मिल रहा है और लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है।

बंदरगाहों पर अटका निर्यात का माल

केला उत्पादक और निर्यातक संतोष लछेटा ने बताया कि बड़वानी से केले का निर्यात वर्ष 2016 से शुरू हुआ था और पिछले वर्ष लगभग 1.6 लाख टन केला निर्यात किया गया। इस वर्ष जिले में लगभग ढाई से तीन करोड़ केले के पौधे लगाए गए हैं। युद्ध के कारण कीमतों में गिरावट आई है और 2000 से 2200 रुपए प्रति क्विंटल मिलने वाला भाव अब 1200 से 1300 रुपए तक रह गया है। राजलक्ष्मी बनाना ग्रुप के जितेंद्र सोलंकी के अनुसार मुंबई के शिपयार्ड में लगभग 15 से 20 दिन का केला स्टॉक पड़ा है। महाराष्ट्र के सोलापुर के निर्यातक किरण ढोके ने बताया कि मुंबई पोर्ट पर लगभग 250 कंटेनर केले से भरे खड़े हैं और उन पर लगातार पोर्ट चार्ज लग रहा है।

किसानों और व्यापारियों को नुकसान

किसान नितिन यादव ने बताया कि सामान्य परिस्थितियों में जिले के कुल उत्पादन का लगभग आधा हिस्सा निर्यात हो जाता है, जिससे किसानों को बेहतर दाम मिलते हैं। लेकिन इस बार निर्यात बंद होने से किसानों और निर्यातकों दोनों को नुकसान हो रहा है। किसान मनोज जाट के अनुसार बड़वानी में हजारों किसान जी-9 किस्म के केले की खेती करते हैं, जिसकी विदेशों में अधिक मांग रहती है।बड़वानी विधायक राजन मंडलोई ने कहा कि नर्मदा पट्टी का केला अपनी मिठास और आकार के कारण अरब देशों में काफी पसंद किया जाता है, लेकिन युद्ध के कारण मुंबई पोर्ट पर बड़ी मात्रा में केला फंसा हुआ है।

आईसीसी की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में टीम इंडिया के चार खिलाड़ी शामिल

दुबई, एजेंसी

आईसीसी ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान किया है। चैंपियन बनी भारतीय टीम के चार खिलाड़ी इस टीम में शामिल किए गए हैं। इनमें संजू सैमसन, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह का नाम है।

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पाक के साहिबजादा फरहान को टीम का ओपनर बनाया गया है। इस टीम की कप्तानी साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल तक पहुंचाने वाले एडेन मार्करम को दी गई है। जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी और वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर भी टीम में शामिल हैं। टीम में संजू सैमसन का ओपनर और बतौर विकेटकीपर नाम हैं।

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट संजू सैमसन ने पांच पारियों में 321 रन बनाए। वह वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच रहे। ईशान किशन ने भी पूरे टूर्नामेंट में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 317 रन बनाए और 193.29 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हुए टीम की बल्लेबाजी को मजबूती दी। पाक के खिलाफ 77 रन की पारी और फाइनल में अर्धशतक उनकी अहम पारियों में शामिल रही।

हार्दिक-जसप्रीत को भी जगह

हार्दिक पांड्या को ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए टीम में जगह मिली। उन्होंने दो अर्धशतक लगाए और पूरे टूर्नामेंट में 9 विकेट भी लिए। वहीं जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए आठ मैच में 14 विकेट लिए। फाइनल में उन्होंने 4 विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई और प्लेयर ऑफ द मैच बने।

साउथ अफ्रीका-इंग्लैंड के 2-2 खिलाड़ी

टीम में पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान भी शामिल हैं, जो 383 रन के साथ टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर रहे। साउथ अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम और तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को भी टीम में जगह मिली है। इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स और स्पिनर आदिल राशिद, वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर और जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी भी टीम ऑफ द टूर्नामेंट में शामिल हैं।

इन्हें नहीं मिली जगह

भारत की टी-20 वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव और इस फॉर्मेट के नंबर-1 बैटर और बॉलर अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती को टीम में जगह नहीं मिल पाई। सूर्या ने 9 मैच में 242 और अभिषेक ने 8 मैच में 141 रन बनाए। वहीं वरुण चक्रवर्ती के नाम 14 विकेट थे।

इन देश का कोई खिलाड़ी नहीं

फाइनल खेलने वाली न्यूजीलैंड के किसी भी प्लेयर को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं ग्रुप स्टेज में जिम्बाब्वे से हारकर बाहर होने ऑस्ट्रेलिया के भी किसी भी खिलाड़ी को टीम में नहीं रखा गया है।

पिछले एक साल में आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली पांच भारतीय टीमों का होगा सम्मान

बीसीसीआई का चैंपियंस को नमन

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड 15 मार्च को नई दिल्ली में अपने वार्षिक पुरस्कार समारोह 'नमन' का आयोजन करने जा रहा है। इस खास कार्यक्रम में पिछले लगभग एक साल के दौरान आईसीसी टूर्नामेंट जीतने वाली पांच भारतीय टीमों को सम्मानित किया जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस समारोह में भारतीय क्रिकेट की हालिया अंतरराष्ट्रीय सफलताओं का जश्न मनाया जाएगा। साथ ही 2024-25 सीजन में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मान दिया जाएगा।

बीसीसीआई के इस कार्यक्रम में पिछले एक साल में आईसीसी खिताब जीतने वाली पांच अलग-अलग भारतीय टीमों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम भी शामिल है। इसके अलावा 2025 वनडे विश्वकप चैंपियन सीनियर महिला टीम, 2026 अंडर-19 विश्वकप चैंपियन आयुष म्हात्रे की टीम और 2025 अंडर-19 विश्वकप जीतने वाली भारतीय बेटियों की टीम शामिल हैं। टीम के साथ कोचिंग स्टाफ को भी इस समारोह में बुलाया जाएगा। देवजीत सैकिया ने बताया, बीसीसीआई अवॉर्ड्स समारोह 15 मार्च को नई दिल्ली में होगा। हम हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम सहित सभी आईसीसी टूर्नामेंट विजेता टीमों और उनके कोचों को आमंत्रित करने जा रहे हैं। सीनियर पुरुष टीम के अलावा सीनियर महिला टीम, अंडर-19 लड़कों और अंडर-19 लड़कियों की टीम, जिन्होंने 2025 में ट्रॉफी जीती थी, उन्हें भी बुलाया जाएगा।

चैंपियंस ट्रॉफी विजेता टीम भी होगी सम्मानित

सैकिया ने यह भी बताया कि 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ियों को भी इस समारोह में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम के खिलाड़ियों को भी आमंत्रित करेंगे। पिछले लगभग एक साल में भारतीय टीमों ने कुल पांच आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं और उन सभी टीमों के सदस्यों को इस अवॉर्ड नाइट में सम्मानित किया जाएगा। यह एक शानदार शाम होगी।

दिल्ली के पांच सितारा होटल में होगा आयोजन

सूत्रों के मुताबिक यह समारोह नई दिल्ली के एक पांच सितारा होटल में आयोजित किया जाएगा, जो एयरपोर्ट के पास स्थित होगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि भारतीय पुरुष टीम के कई खिलाड़ियों को कार्यक्रम के बाद सीधे अपनी-अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी से जुड़ना है। आईपीएल 2026 का सीजन 28 मार्च से शुरू होने वाला है और उससे पहले सभी टीमों के प्री-सीजन कैंप शुरू हो जाएंगे। टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम को मिला 131 करोड़ का इनाम

संजू ने क्रिकेट के सारे गणित बदल दिए

4 मैच छोड़कर भी बन गए वर्ल्ड कप बादशाह

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 ने क्रिकेट की दुनिया में एक बड़ा चमत्कार दिखाया.. और इसका सबसे चमकता सितारा हैं संजू सैमसन। टीम इंडिया ने पूरे टूर्नामेंट में कुल 9 मैच खेले, लेकिन संजू ने इनमें से केवल 5 मैच ही खेले। इसके बावजूद, उनका प्रदर्शन इतना भारी और निर्णायक रहा कि उन्होंने पूरे वर्ल्ड कप पर अपनी अद्भुत छाप छोड़ दी। सुपर-8 मैच, सेमीफाइनल और फाइनल में संजू ने क्रमशः 97*, 89 और 89 रन बनाए। इन तीन पारियों ने साफ कर दिया कि क्रिकेट में गुणवत्ता हमेशा मात्रा से ज्यादा मायने रखती है। हर शॉट, हर रन और हर बड़ा खेल उन्होंने सही समय पर खेला, जिससे टीम इंडिया को जीत की दिशा में लगातार मजबूती मिली। इतिहास में इससे पहले केवल 4 खिलाड़ी ऐसे रहे हैं, जिन्होंने आईसीसी टूर्नामेंट में सभी मैच न खेलकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता और उन सभी ने अधिकतम केवल एक मैच छोड़ा था। संजू ने इसे चार मैच छोड़कर हासिल किया। यह एक ऐसा रिकॉर्ड है, जो उनकी क्लास, मैच बदलने की क्षमता और मानसिक मजबूती को उजागर करता है। टी20 क्रिकेट के रोमांच ने इस टूर्नामेंट में नए कीर्तिमान को छू लिया। 2026 का टी20 वर्ल्ड कप अब तक के सबसे बैट-फर्स्ट टूर्नामेंट के रूप में याद किया जाएगा, जहां कुल 780 छक्के लगे। यह किसी भी वर्ल्ड कप में अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है। 2024 के संस्करण में लगे 517 छक्कों के मुकाबले यह 50.87 फीसदी की उछाल है। भारत और श्रीलंका में खेले गए मैचों ने इस आक्रामक बल्लेबाजी का पूरा परिदृश्य दिखाया। भारत में खेले 35 मैचों में 600 छक्के लगे, जबकि श्रीलंका में 180। अगर गेंद-बॉल के हिसाब से देखा जाए, तो हर 15.52 गेंद पर एक छक्का लगा- यह अब तक के सभी टी20 वर्ल्ड कप में सबसे बेहतरीन रेट है।

कुलदीप वंशिका संग मसूरी में 7 फेरे लेंगे , 14 को शादी

दुबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव अपनी बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ शादी करने जा रहे हैं। दोनों 14 मार्च को उत्तराखंड के मसूरी में सात फेरे लेंगे। तीन दिन बाद यानी 17 मार्च को लखनऊ के होटल सेंट्रम में ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी होगी। इस बीच सोमवार को कुलदीप के पिता राम सिंह यादव ने लखनऊ में सीएम आदित्यनाथ योगी को शादी का न्योता दिया। कुलदीप और वंशिका ने 4 जून 2025 को लखनऊ में सगाई की थी, जिसमें क्रिकेटर रिंकू सिंह, प्रिया सरोज समेत कई करीबी लोग शामिल हुए थे। पहले दोनों की शादी नवंबर 2025 में तय हुई थी, लेकिन टी-20 विश्व कप की तैयारियों की वजह से तारीख आगे बढ़ा दी गई। अब विश्व कप चैंपियन बनने के बाद कुलदीप नई पारी की शुरूआत करने जा रहे हैं। बताया गया है कि शादी की रस्में 13 मार्च से शुरू होंगी। इस दिन हल्दी और मेहंदी का कार्यक्रम होगा। शादी के बाद लखनऊ के होटल सेंट्रम में रिसेप्शन दिया जाएगा। इसमें जाने-माने क्रिकेटर्स, बॉलीवुड की नामचीन हस्तियां और यूपी के दिग्गज राजनेता शामिल होंगे। कुलदीप टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे।

बचपन के दोस्ती, प्यार में बदली = कुलदीप की होने वाली पत्नी वंशिका कानपुर के श्याम नगर की रहने वाली हैं। पिता योगेंद्र सिंह चड्ढा एलआईसी में कार्यरत हैं। वंशिका ऑस्ट्रेलिया में जॉब करती हैं। कुलदीप यादव लाल बंगला इलाके में रहते हैं। दोनों के घर के बीच की दूरी सिर्फ 3 किलोमीटर है। दोनों बचपन के दोस्त हैं। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई।

रिंकू सिंह ने पिता के लिए इमोशनल पोस्ट किया

लखनऊ। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद अपने दिवंगत पिता खानचंद सिंह के लिए इमोशनल पोस्ट किया है। विश्वकप का खिताब जीतने वाली टीम इंडिया का हिस्सा रहे रिंकू सिंह के पिता का 27 फरवरी को निधन हो गया था। वह लंबे समय से स्टेज-4 लिवर कैंसर से जूझ रहे थे। रिंकू ने लिखा-काश आप पास होते आपसे बात किए बिना इतने दिन कभी नहीं निकले। मुझे नहीं पता आगे की जिंदगी आपके बिना कैसे चलेगी, पर मुझे हर कदम पर आपकी जरूरत पड़ेगी। उन्होंने आगे लिखा, आपने ही सिखाया था कि फर्ज सबसे आगे है, तो मैदान पर सिर्फ आपका सपना पूरा करने की कोशिश कर रहा था। आपका सपना पूरा हो गया है, काश आप पास होते। रिंकू के पिता खांचंद सिंह लंबे समय से लीवर कैंसर से जूझ रहे थे। यह चौथे स्टेज का कैंसर था। पिछले महीने उनकी हालत बहुत खराब हो गई। रिंकू वर्ल्ड कप के दौरान पिता से मिलने घर भी गए थे, लेकिन 27 फरवरी 2026 को ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में उनके पिता का निधन हो गया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

क्या गर्लफ्रेंड माहिका की वजह से हार्दिक और क्रुणाल में आई दरार

भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीता। पूरी दुनिया के क्रिकेट फैंस ने टीम को बधाई दी। इस लिस्ट से हार्दिक पंड्या के भाई क्रुणाल का नाम गायब था। ना तो उन्होंने कोई पोस्ट किया ना ही उनकी भाभी पंखुड़ी टूर्नामेंट के दौरान कहीं नजर आई। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में 'मेन इन ब्लू' ने खिताबी मुकाबले में 20 ओवर में 255/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया। 159 रन पर कीवी टीम को ढेर कर भारत तीसरी बार टी20 वर्ल्ड चैंपियन बना।

इस जीत के साथ भारत ने इतिहास रच दिया। भारत टी20 वर्ल्ड कप को सफलतापूर्वक डिफेंड करने वाली पहली टीम बन गई। लगातार दो बार खिताब जीतने वाली पहली टीम बनी और घरेलू मैदान पर टूर्नामेंट जीतने वाली पहली टीम भी बन गई। जश्न के बीच खबरें सबकी नजर स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा चर्चा में रही। टूर्नामेंट के दौरान हर जगह वो साथ नजर आई लेकिन उनके

भाई क्रुणाल और भाभी पंखुड़ी कहीं नहीं दिखी। अफवाहें हैं कि पंड्या ब्रदर्स, यानी हार्दिक और क्रुणाल के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा। दोनों भाइयों ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए एक साथ खेलना शुरू किया था। 2016 से 2021 के बीच टीम को तीन बार आईपीएल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। इस टीम से अलग होने के बाद हार्दिक और क्रुणाल ने अलग-अलग टीमों पर ध्यान केंद्रित किया।

नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में नजर नहीं आए कुणाल

दोनों भाइयों के रिश्ते में खटास की खबरें तब और तेज हो गईं जब क्रुणाल और उनकी पत्नी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में नजर नहीं आए। भाई की इतनी बड़ी कामयाबी के बाद भी क्रुणाल ने सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट नहीं किया। लोग इस बात को पूछ रहे हैं कि आखिर हर वक्त भाई के साथ खड़े नजर आने वाले क्रुणाल कहां हैं। क्यों वो कोई पोस्ट नहीं कर रहे और भाई के साथ खुशी के पल को साझा करने नहीं आए। लोगों ने इस बात की भी ओर इशारा किया कि क्रुणाल ने अपने छोटे भाई को सोशल मीडिया पर कोई बधाई संदेश नहीं दिया। फैंस ने दोनों भाइयों के जश्न के दौरान गर्मजोशी की कमी भी महसूस की। इससे इन अफवाहों को और बल मिला कि दोनों के बीच अनबन है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों के बीच मतभेद तब शुरू हुए जब हार्दिक का नताशा स्टेनकोविक से अलगाव हुआ।

मेट्रो बाजार

भारत का सालाना खाद्य निर्यात करीब 5 लाख करोड़ तक पहुंचा

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को खाद्य, कृषि और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र से जुड़े लोगों से भारत को कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक बनाने की दिशा में मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत के बढ़ते व्यापार समझौते और भारतीय उत्पादों की वैश्विक मांग इस दिशा में बड़े अवसर पैदा कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित %आहार - द इंटरनेशनल फूड एंड हॉस्पिटैलिटी फेयर% के 40वें संस्करण के उद्घाटन के दौरान गोयल ने कहा कि भारत का खाद्य और कृषि उत्पादों का निर्यात, जिसमें कृषि उत्पाद और मत्स्य पालन शामिल हैं, अब सालाना करीब 5 लाख करोड़ रुपए (55 अरब डॉलर से अधिक) तक पहुंच गया है। इसके साथ ही भारत दुनिया का सातवां सबसे बड़ा कृषि उत्पाद निर्यातक बन गया है।

उन्होंने बताया कि 2014 से 2025 के बीच पिछले 11 वर्षों में भारत के कृषि और खाद्य निर्यात में काफी तेजी आई है। इस दौरान प्रोसेस्ड फूड का निर्यात चार गुना, फल और दालों का निर्यात तीन गुना, प्रोसेस्ड सब्जियों का निर्यात चार गुना, कोको का निर्यात तीन गुना और अनाज का निर्यात दोगुना हो गया है। वहीं चावल का निर्यात भी इस अवधि में 62 प्रतिशत बढ़ा है।

गोयल ने कहा कि ये उपलब्धियां भारत को कृषि और प्रोसेस्ड फूड निर्यात में दुनिया में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य पूरी तरह हासिल किया जा सकता है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विजन के अनुरूप है, जिसमें भारत को दुनिया की फूड बास्केट बनाने की बात कही गई है।

बीएचयू से पढ़ाई, छोड़ दी 5 करोड़ की नौकरी आज 68,000 करोड़ वाले बैंक के बॉस

मुंबई। केवीएस मणियन बैंकिंग जगत में जाना-माना नाम हैं। वह फेडरल बैंक के एमडी और सीईओ हैं। सितंबर 2024 में उन्होंने इस बैंक की कमान संभाली थी। इस बैंक का मार्केट कैपिटलाइजेशन (एम-कैप) करीब 68,000 करोड़ रुपये है। कोटक महिंद्रा बैंक में 25 साल से ज्यादा समय बिताने के बाद वह फेडरल बैंक से जुड़े थे। जब मणियन ने कोटक महिंद्रा बैंक छोड़ा था तब उनका पैकेज करीब 5.86 करोड़ रुपये था। उन्होंने कोटक बैंक को पावरहाउस बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। केरल के पलक्कड़ से ताल्लुक रखने वाले मणियन आईआईटी-बीएचयू के पढ़े हैं। आइए, यहां केवीएस मणियन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। केवीएस मणियन मूल रूप से केरल के पलक्कड़ के रहने वाले हैं। वह आईआईटी-बीएचयू के पढ़े हैं। इस संस्थान से उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने मुंबई के जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से फाइनेंशियल मैनेजमेंट में पोस्टग्रेजुएट डिग्री ली। इस डिग्री के साथ मणियन ने अपनी फाइनेंशियल समझ को और बेहतर बनाया। वह एक क्वालिफाइड कॉस्ट एंड वर्क्स अकाउंटेंट भी हैं। यह टेक्निकल और फाइनेंशियल दोनों डोमेन में उनके व्यापक स्किल सेट को दिखाता है।

कोटक महिंद्रा बैंक में अपने कार्यकाल के दौरान केवीएस मणियन ने इसे एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी से भारत के प्रमुख प्राइवेट-सेक्टर बैंकों में से एक बनाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी देखरेख में कॉर्पोरेट, इंस्टीट्यूशनल और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के साथ वेल्थ मैनेजमेंट डिवीजन भी शामिल थे।

आजाद हिंद फौज का सिपाही

अंग्रेज को ट्रेन से फेंका, अनजाने में पहुंचा मुंबई, किस्मत ने बनाया एक्टर

किस्मत इंसान को कब कहां पहुंचा दे, कोई नहीं जानता। आज हम एक ऐसी ही शख्सियत का किस्सा बताने जा रहे हैं, जो कभी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज का हिस्सा थे। स्वतंत्रता की लड़ाई में हिस?सा लिया। एक बार गुस्सा आया तो अंग्रेज को ट्रेन से नीचे फेंक दिया। गिरफ्तारी से बचने के लिए बिना सोचे-समझे दूसरी ट्रेन में चढ़ गए। किस्मत ने मुंबई पहुंचा दिया। उधर, गांव में घरवालों को लगा कि देश के लिए लड़ते हुए उनके लाल की जान चली गई। अंतिम संस्कार की तैयारी होने लगी। लेकिन तभी एक गांव वाले की नजर फिल्मी पर्दे पर पड़ी। हम बात कर रहे हैं एक्टर रामायण

तिवारी की, जिन्होंने अपने 36 साल के करियर में 160 से अधिक फिल्मों में काम किया। आम तौर पर वह विलेन के किरदार में दिखते थे। देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद से लेकर शिव सेना चीफ बाला साहब ठाकरे तक से इनका राबता रहा। बिमल रॉय, राज कपूर, दिलीप कुमार और सुनील दत्त जैसे दिग्गजों के साथ काम करने वाले ये वही तिवारी हैं, जिन्होंने भोजपुरी इंडस्ट्री की पहली और दूसरी फिल्म बनाई। रामायण तिवारी बॉलीवुड में अपने सरनेम तिवारी से यादा मशहूर थे। उन्होंने मधुमती, यहूदी, जिस देश में गंगा बहती है, मेरा साया, कल आज और कल, नील कमल जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। बिहार के मनेर में रामायण तिवारी का जन्म 1917 में हुआ था। साल 1980 में मुंबई में उन्होंने आखिरी सांस ली। उनके बेटे भूषण तिवारी भी बॉलीवुड में बेहतरीन कैरेक्टर आर्टिस्ट हुए।

गुड न्यूज नितिन गडकरी ने खोला खजाना, टूरिस्टों के लिए खुशखबरी

650 करोड़ रुपए मंजूर बढ़ाई जाएगी सड़क की चौड़ाई

गुजरात की 'रोड टू हेवेन' का किया जाएगा कायाकल्प

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात में टूरिस्ट को बार-बार अपने पास बुलाने वाली कच्छ में स्थित रोड टू हेवेन का कायाकल्प होगा। केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कच्छ की इस रोड के साथ नेशनल हाईवे के विकास के लिए 650 करोड़ रुपये का फंड मंजूर कर दिया है। इस नेशनल हाईवे की कुल लंबाई 165.58 किलोमीटर है। जो लखपत से धोलावीरा क जोड़ता है। इस नेशनल हाईवे का 30 किलोमीटर भाग रोड टू हेवेन के नाम से जाना जाता है।

टूरिस्ट का दिल जीतती है यह सड़क-कच्छ में धोरडो से धोलावीरा जाने पर यह 'रोड टू हेवेन' सड़क पड़ती है। इस सड़क के आसपास की सुंदरता इतनी दिलकश है कि हर सैलानी यहां पर अपने सफर में ब्रेक लगाने को मजबूर हो जाता है। अभी यह सड़क सिंगल है। दो लेन की सड़क है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर लिखा है कि गुजरात के कच्छ जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-754च के 165.58 किलोमीटर लंबाई वाले लखपत-गडुली-ज़ारा-हाजीपीर-खावड़ा-कंदवान-धोलावीरा खंड को पेव्ड शोल्डर कॉन्फ़िगरेशन के साथ 2-लेन में बनाने के लिए 650.42 करोड़ रुपए की लागत के साथ स्वीकृति दी गई है। इस परियोजना से कच्छ क्षेत्र की गुजरात के शेष भाग से कनेक्टिविटी में सुधार होगा।

टूरिज्म को मिलेगी ऊंची छलांग

केंद्रीय सड़क एंव राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आगे लिखा है कि कच्छ में हर साल कई प्रमुख त्योहार और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनकी पहुंच इसी कॉरिडोर पर निर्भर करती है। यह राजमार्ग कच्छ में प्रमुख खनिज और नमक उद्योगों के लिए माल की आवाजाही को भी सुगम बनाएगा, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा। वर्तमान में, मौजूदा सड़क पर भीड़भाड़ और दुर्घटनाओं का प्रमाण अधिक है। पेव्ड शोल्डर के साथ 2-लेन में अपग्रेड करने से यातायात कम होगा, सड़क सुरक्षा में सुधार होगा और वाहन संचालन लागत कम होगी, जिसके परिणामस्वरूप ईंधन दक्षता में सुधार के साथ-साथ सुरक्षित और अधिक कुशल आवागमन सुनिश्चित होगा। रोड टू हेवेन की चौड़ाई बढ़ने के साथ इसका सफर सुरक्षित बनेगा जो टूरिस्ट को नया रोमांच देगा।

नागपुर-भोपाल ग्रीन कॉरिडोर से जुड़ सकते हैं गुना-अशोकनगर!

गुना: प्रदेश के गुना, चंदेरी और अशोकनगर के लिए बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर की खबर सामने आ रही है। जिससे विकास की नई संभावनाएं खुल सकती हैं। जिसके लिए केंद्रीय मंत्री एवं गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राज्य मंत्री नितिन गड़करी को पत्र लिखा है। जिसमें लिखा है कि, ''अपने संसदीय क्षेत्र के प्रमुख शहरों को प्रस्तावित मध्य भारत विकास पथ से जोड़ने का अनुरोध कर आपसे कर रहा हूं। यह परियोजना भारत सरकार के विजन-2047 के अंतर्गत राज्य में प्रस्तावित नए एक्सप्रेस-वे नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जा रही है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने इस संबंध में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि गुना, अशोकनगर, चंदेरी, मुंगावली ओर पिछोर जैसे महत्वपूर्ण शहरों को प्रस्तावित मध्य भारत विकास पथ (नागपुर-भोपाल-ग्वालियर ग्रीन कॉरिडोर) से सीधे जोड़ा जाए।

सिंधिया ने अपने पत्र लिखा कि, वर्तमान में अशोकनगर, मुंगावली और चंदेरी जैसे प्रमुख शहर सीधे किसी राष्ट्रीय राजमार्ग से नहीं जुड़े हैं। इन शहरों को एक्सप्रेस-वे नेटवर्क से जोड़ने से न केवल यातायात सुविधाएं बेहतर होंगी, बल्कि क्षेत्र में निवेश, उद्योग और रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे।'' आगे लिखा कि, ''बेहतर सड़क संपर्क से ग्वालियर-चंबल संभाग तथा आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और यह पूरा क्षेत्र विकास के नए मार्ग पर आगे बढ़ेगा।''

न्यूज विंडो

सात मौतों को छिपाने का मामला पहुंचा मानवाधिकार आयोग

गुरुग्राम। गुरुग्राम में निर्माणाधीन परियोजना में मिट्टी धंसने से सात श्रमिकों की मौत के मामले को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश यादव ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग को शिकायत भेजकर मामले की जांच की मांग की है।शिकायत में बताया गया है कि गुरुग्राम के बिलासपुर थाना क्षेत्र के सिधरावली गांव में स्थित सिग्नेचर ग्लोबल के निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के लिए चल रही खोदाई के दौरान बेसमेंट में अचानक मिट्टी धंसने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में सात श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रकाश यादव ने आयोग को भेजी शिकायत में कहा है कि करीब 60 फीट गहरे बेसमेंट में श्रमिक काम कर रहे थे, लेकिन निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे। सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही के कारण श्रमिकों की जान गई है, जो मानव अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

मां ने बेटे को गोद में लेकर लगाई आग, डेढ़ साल के मासूम की मौत

चित्रकूट। शहर के सदर बाजार मिशन रोड इलाके में घरेलू विवाद के चलते एक महिला ने अपने डेढ़ वर्षीय बच्चे को सीने से लगाकर शरीर पर थिनर डालकर आग लगा ली। आग की लपटों में बच्चा बुरी तरह झुलस गया और उसकी मौत हो गई, जबकि बचाने के प्रयास में पति भी गंभीर रूप से झुलस गया। घायल दंपती को जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद प्रयागराज रेफर किया गया है। पुरानी बाजार निवासी मेघराज अमरनानी का 37 वर्षीय पुत्र लेखराज अमरनानी अपनी पत्नी 34 वर्षीय कोमल उर्फ चांदनी और डेढ़ वर्षीय बेटे गर्व के साथ मिशन रोड पर किराए के मकान में रहता था। सोमवार रात करीब दो बजे किसी घरेलू बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया।

पटनायक की पार्टी को झटका, जेना समेत कई नेता भाजपा में होंगे शामिल

बालेश्वर। बालेश्वर के भूतपूर्व लोकसभा सदस्य तथा बालेश्वर जिला बीजू जनता दल के भूतपूर्व अध्यक्ष इंजीनियर रविंद्र कुमार जेना ने बीजू जनता दल के सुप्रीमो नवीन पटनायक को अपना त्यागपत्र दिया था। इसी के साथ ही उन्होंने बीजू जनता दल के प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। विगत कई महीनो से यह अनुमान लगाया जा रहा था कि जल्द ही श्री जेना बीजू जनता दल का साथ छोड़ भारतीय जनता पार्टी में शामिल होंगे।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आज बालेश्वर से करीब 10 हजार से ज्यादा उनके समर्थक रेलगाड़ी से, बसों से तथा चार पहिया वाहन से भुवनेश्वर की ओर कूच कर चुके हैं।

नीतीश के राज्यसभा जाने पर प्रशांत किशोर का तंज

युवाओं के बाद बिहार से मुख्यमंत्री का भी पलायन

रोहतास , एजेंसी

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने पर तंज कसते हुए कहा कि पहले सिर्फ बिहार से युवाओं का पलायन होता था, लेकिन अब मुख्यमंत्री भी पलायन कर रहे हैं। सरकार ने चुनाव के समय अपराध पर लगाम लगाने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने एवं पलायन रोकने जैसे बड़े-बड़े वादे किए थे और आज स्थिति यह है कि सब कुछ पहले से ज्यादा बढ़ गया है।

50 से ज्यादा बिहारियों की अन्य राज्यों में मौत: उन्होंने पलायन के मुद्दे पर जोर देकर कहा कि पिछले वर्ष नवंबर के बाद से बिहार के 50 से ज्यादा लोगों की अन्य राज्यों में मौत हो चुकी है। अगर लोग इसी तरह धर्म, जाति एवं पैसों के लालच में वोट देंगे, तो बिहार की स्थिति कभी नहीं सुधरेगी। बता दें कि प्रशांत किशोर मंगलवार को सासाराम आगमन के दौरान एक प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

मैंने बहुत बड़ी गलती की

प्रशांत किशोर ने पिछले विधानसभा चुनाव में मिली हार पर कहा कि उन्होंने हिंदू मुस्लिम, ऊंच नींच, जाति एवं पैसे के प्रलोभन वाली राजनीति ना करके बहुत बड़ी गलती कर दी। उन्होंने ईमानदारी से बिहार के बच्चों के नाम पर वोट देने की अपील की, लेकिन लोगों को बात समझ में नहीं आई।

पश्चिम एशिया संकट के बीच एयर इंडिया का ऐलान, आज संचालित करेगी 58 उड़ानें

नई दिल्ली। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग आज 12वें दिन में प्रवेश कर गया है। इस जंग की वजह से पश्चिम एशिया की स्थिति इस वक्त काफी तनावपूर्ण और अस्थिर हो गई है। ऐसे में हजारों भारतीय पश्चिम एशिया के देशों में फंसे हैं। इस बीच, भारत की प्रमुख एयरलाइन एयर इंडिया और उसकी कम लागत वाली सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपनी उड़ानों को लेकर बड़ा अपडेट जारी किया है। दोनों एयरलाइंस मिलकर आज 11 मार्च को पश्चिम एशिया के लिए कुल 58 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानों का संचालन करेंगी।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण इस क्षेत्र का हवाई क्षेत्र काफी प्रभावित हुआ है। कई जगहों पर हवाई मार्ग बंद कर दिए गए हैं या उन पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, एयर इंडिया समूह ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अपनी सेवाओं को नियोजित और संभले हुए तरीके से चलाने का फैसला किया है।

उरी-बारामूला मार्ग बंद

जम्मू-कश्मीर में LOC के पास लैंडस्लाइड, पहाड़ों से सड़क पर गिरे बड़े-बड़े पत्थर

श्रीनगर, एजेंसी

सीमावर्ती क्षेत्र उरी को जिला मुख्यालय बारामूला से जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर आज भारी भूस्खलन के कारण यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह भूस्खलन NS ब्रिज के समीप हुआ है, जिससे सड़क का एक बड़ा हिस्सा मलबे की चपेट में आ गया है। मौके के ताजा हालात पहाड़ी से गिरे भारी मलबे और पत्थरों के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लैंडस्लाइड इतना भीषण था कि मार्ग को साफ करने में काफी समय लग सकता है। गनीमत यह रही कि इस घटना के दौरान किसी जानी नुकसान की तत्काल सूचना नहीं मिली है, लेकिन मार्ग बंद होने से स्थानीय निवासियों और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासनिक कार्रवाई संबंधित विभाग और सीमा सड़क संगठन को सूचित कर दिया गया है। मलबा हटाने के लिए भारी मशीनरी को मौके पर रवाना किया जा रहा है।प्रशासन का कहना है कि पहाड़ी इलाका होने की वजह से अक्सर बारिश या मौसम में बदलाव के दौरान भूस्खलन की घटनाएं सामने आती हैं। इसलिए सुरक्षा के मद्देनज़र वाहनों को अस्थायी रूप से रोका गया ताकि किसी तरह की दुर्घटना से बचा जा सके। सड़क साफ करने के लिए मशीनों और कर्मचारियों को लगाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि हालात सामान्य होते ही यातायात को धीरे-धीरे बहाल कर दिया जाएगा। वहीं, यात्रियों और स्थानीय लोगों को फिलहाल सावधानी बरतने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है।

अमेरिका में 50 साल बाद अब नई तेल रिफाइनरी, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा- रिलायंस करेगी 300 अरब डॉलर का निवेश

वॉशिंगटन, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और ऊर्जा बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ी ऊर्जा परियोजना की घोषणा की है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में पिछले 50 वर्षों में पहली बार नई ऑयल रिफाइनरी बनाई जाएगी। यह रिफाइनरी टेक्सास के ब्राउन्सविल पोर्ट पर बनेगी और इसमें भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज का बड़ा निवेश होगा।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि यह 300 अरब डॉलर का ऐतिहासिक सौदा है, जिसे अमेरिका के इतिहास की सबसे बड़ी ऊर्जा परियोजनाओं में गिना जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह रिफाइनरी अमेरिकी बाजार को ईंधन उपलब्ध कराएगी, ऊर्जा उत्पादन बढ़ाएगी और देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेगी। इसके साथ ही इस परियोजना से हजारों नई नौकरियां भी पैदा होंगी और दक्षिण टेक्सास क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी।

भारत को ट्रंप ने दिया धन्यवाद: ट्रंप ने कहा कि उनकी अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत परमिट प्रक्रिया को सरल बनाने और करों में कमी करने से बड़े निवेश आकर्षित हुए हैं। उनके मुताबिक नई रिफाइनरी दुनिया की सबसे स्वच्छ रिफाइनरियों में से एक होगी और इससे वैश्विक ऊर्जा निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा।

पश्चिम एशिया युद्ध के बीच क्यों अहम है यह फैसला?

यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब पश्चिम एशिया में अमेरिका और इस्राइल के साथ ईरान का संघर्ष बढ़ गया है। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में खाड़ी क्षेत्र के कई देशों में अमेरिकी ठिकानों और ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया है। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और तेल बाजार पर दबाव बढ़ गया है।

मेट्रो एंकर एक्ट्रेस गीतांजलि ने बहन की मौत के बाद उसके बच्चों की मां बनकर पेश की मिसाल

मां ने सब्जी बेचकर पाला, अब बहन के बच्चों को पाल रहीं, नहीं की शादी

मुंबई, एजेंसी

गीतांजलि मिश्रा....इन्हें आपने 'क्राइम पेट्रोल' से लेकर 'सावधान इंडिया', 'बालिका वधू' और अब 'हप्पू सिंह की उल्टन पलटन' जैसे टीवी सीरियलों में देखा होगा। 'हप्पू की उल्टन पलटन' में गीतांजलि मिश्रा ने एक्ट्रेस कामना पाठक को रिप्लेस किया और राजेश सिंह का किरदार निभा रही हैं, जो इंस्पेक्टर हप्पू सिंह की पत्नी हैं। गीतांजलि मिश्रा भले ही राजेश सिंह का कॉमिक किरदार निभा रही हैं, पर उन्हें लोग उनके निभाए नेगेटिव किरदारों के लिए ही याद करते हैं। इस कारण उन्हें लोगों की भी खूब बातें और ताने सुनने पड़े। गीतांजलि मिश्रा 39 साल की हो चुकी हैं, पर उन्होंने बहन के बच्चों की खातिर अपना घर नहीं बसाया। बहन के गुजर जाने के बाद गीतांजलि मिश्रा ने बहन के बच्चों की मां बनकर एक ऐसी मिसाल पेश की, जिसके बारे में जान हर कोई गर्व करेगा। गीतांजलि मिश्रा की जड़ें बनारस से जुड़ी हुई हैं। उनके मम्मी-पापा बनारस के रहने वाले हैं, पर वह खुद मुंबई में पैदा हुई थीं। हालांकि, पिता का कई साल पहले निधन हो गया, जिसके बाद मां ने उन्हें अकेले ही पाला। गीतांजलि ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह 5 साल की थीं, तो तभी मां उन्हें लेकर मुंबई आ गईं। मुंबई में मां ने दूध और सब्जी बेचकर पैसे कमाए ताकि गुजारा हो सके। गीतांजलि की एक बहन भी थी, पर साल 2017 में उनकी हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह शादीशुदा थीं और उनके दो बच्चे भी थे। तब एक 14 साल का था और एक 5 साल का।

गीतांजलि मिश्रा ने साल 2023 में हमारे सहयोगी 'ईटाइम्स' को इंटरव्यू में बताया था कि बहन की मौत के बाद कोई भी उनके बच्चों की देखभाल के लिए मौजूद नहीं था। कोई उनकी परवरिश को तैयार नहीं था। तब गीतांजलि मिश्रा ने बच्चों की जिम्मेदारी खुद पर ले ली। गीतांजलि ने बताया था कि वह बच्चों को गोद लेना चाहती थीं,पर कानून के मुताबिक, वह ऐसा नहीं कर सकीं, लेकिन फिर भी आज तक मां बनकर बच्चों का ख्याल रख रही हैं।

बच्चों को नहीं मिल पाएगा अच्छा पिता....

गीतांजलि मिश्रा ने इसी वजह से शादी नहीं की और फैसला किया कि कभी शादी नहीं करेंगी। गीतांजलि ने कहा था कि उन्हें शायद अच्छा पति मिल जाए, पर बच्चों को न तो अच्छा परिवार और एक अच्छा पिता नहीं मिल पाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि एक्ट्रेस को लगता है कि कोई भी आदमी इस तरह दूसरे के बच्चों को अपना बनाकर नहीं पालेगा। इसलिए गीतांजलि मिश्रा ने बहन और उनके बच्चों के लिए कभी शादी न करने का फैसला किया। गीतांजलि मिश्रा ने इसी वजह से शादी नहीं की और फैसला किया कि कभी शादी नहीं करेंगी। गीतांजलि ने कहा था कि उन्हें शायद अच्छा पति मिल जाए, पर बच्चों को न तो अच्छा परिवार और एक अच्छा पिता नहीं मिल पाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564